कमल संदेश

ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

धर्मेन्द्र कौशल
विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QSDl : +91(11) 23387887

पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय-सूची

सरकार की उपलब्धियां : आर्थिक सर्वेक्षण

'आपरेशन राहत ने विश्व में भारत का मान बढ़ाया'............ 6
महंगाई से मिली राहत............ 7

संगठनात्मक गतिविधियां

महासंपर्क सदस्यता अभियान............ 8

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रवास

बिहार............ 10
झारखण्ड............ 11
पूर्वोत्तर............ 12

विदेश यात्रा

प्रधानमंत्री की फ्रांस, जर्मनी और कनाडा की ऐतिहासिक सफल यात्रा............ 14

वैचारिकी : पं. दीनदयाल उपाध्याय

पक्षधरता बनाम गुटनिरपेक्षता............ 20

श्रद्धांजलि

दिल्ली प्रदेश भाजपा मंत्री कृष्णलाल ढिलोड़ का निधन............ 21

विशेष साक्षात्कार

राम लाल, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)............ 22

अन्य

अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र का शिलान्यास............ 26
विकास समिति की पूर्ण बैठक............ 28
डॉ. अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम............ 29
भाजपा सांसदों की कार्यशाला............ 30

कमल संदेश के सभी सुधी पाठकों को

बुद्ध पूर्णिमा

(04 मई 2015)

की हार्दिक शुभकामनाएं!

वास्तविक उपलब्धि

एक युवा ब्रह्मचारी ने दुनिया के कई देशों में जाकर अनेक कलाएं सीखीं। एक देश में उसने धनुष बाण बनाने और चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कुछ दिनों के बाद वह दूसरे देश की यात्रा पर निकल गया। वहां जहाज बनाए जाते थे, इसलिए उसने जहाज बनाने की कला सीख ली। इसके बाद वह किसी तीसरे देश में पहुंच गया। वहां वह कई ऐसे लोगों के संपर्क में आया जो घर बनाने का काम करते थे। इस प्रकार वह सोलह देशों में गया और कई कलाएं सीख कर अपने घर लौट आया।

वापस आने के बाद वह अहंकार में भरकर लोगों से पूछता-'इस संपूर्ण पृथ्वी पर मुझ जैसा कोई गुणी व्यक्ति नजर आता है?' लोग हैरत से उसे देखते। धीरे-धीरे यह बात भगवान बुद्ध तक भी पहुंची। बुद्ध उसके बारे में सब जानते थे। वह उसकी प्रतिभा से भी परिचित थे। लेकिन वे इस बात से चिंतित हो गए कि कहीं उसका अभिमान उसका नाश ही न कर दे। एक दिन वे एक भिखारी का रूप धरकर, भिक्षा पात्र लिए उसके सामने चले गए। ब्रह्मचारी ने बड़े अभिमान से पूछा-'कौन हो तुम?' बुद्ध बोले- 'मैं आत्मविजय का पथिक हूं।'

ब्रह्मचारी ने उनके कहे शब्दों का अर्थ जानना चाहा तो वे बोले- 'एक मामूली हथियार निर्माता भी बाण बना लेता है, जहाज का चालक उस पर नियंत्रण रख लेता है, गृह निर्माता भी घर बना लेता है। केवल ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला। मनुष्य की वास्तविक उपलब्धि तो है उसका निर्मल मन। अगर मन पवित्र नहीं हुआ तो सारा ज्ञान व्यर्थ है। अहंकार से मुक्त व्यक्ति ही ईश्वर को पा सकता है।' ब्रह्मचारी ने बुद्ध के ये वचन सुने तो उसे अपनी भूल का अहसास हो गया।

संकलन : जयगोपाल शर्मा
(नवभारत टाइम्स से साभार)

पाथेय

भारतीय संस्कृति के एकात्मवादी, समन्वय-प्रधान तथा कर्तव्यमूलक दृष्टिकोण से विचार किया जाए तो प्रजातंत्र और समाजवाद परस्पर विरोधी न होकर समन्वित हो सकते हैं। किंतु यह समाजवाद राज्याधिष्ठित अथवा शासन-केंद्रित नहीं होगा। राज्य को समाज की एकमेव प्रतिनिधि संस्था मानना भूल है। इसी से राज्य को समाप्त करने का वादा करके भी कम्युनिज्म ने राज्य को सर्वग्राही बना दिया। समाज अपने हित के लिए कुटुम्ब से लेकर राज्य तक तथा विवाह से लेकर संन्यास तक अनेक संस्थाओं का निर्माण करता है। व्यक्ति भी समाज का प्रतिनिधि है। यदि व्यक्ति समाजनिष्ठ न रहा तो केवल संस्थागत परिवर्तनों से काम नहीं चलेगा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय ('राष्ट्रचिंतन' पुस्तक से साभार)

इतिहास रचती केन्द्र सरकार नई ऊंचाइयों की ओर भाजपा

समाधकीय

जब एक ओर भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है, केन्द्र में भाजपानीत राजग सरकार भी अपना एक वर्ष पूरा कर रही है। यह एक वर्ष न केवल भाजपा के विश्व स्तर पर उभरने का वर्ष रहा बल्कि देश की राजनीति में भी व्यापक परिवर्तन हुए। भारत ने तीस वर्षों के लम्बे अंतराल पर एक पूर्ण बहुमत की सरकार चुनी तथा नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भाजपा पर विश्वास व्यक्त किया। इसकी गूंज पूरे विश्व में गई। इससे हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है एवं राजनीति सुदृढ़ हुई है। भारत आज एक युवा देश है जो हर मोर्चे पर नई ऊंचाइयां छूना चाहता है। भारत की आकांक्षा अब आशा एवं विश्वास से ओत-प्रोत है। भारत अब एक लंबी छलांग के लिए तैयार है।

जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली तब भारत निराशापूर्ण वातावरण में डूबा हुआ था। घोटालों एवं घपलों से दागदार यूपीए सरकार ने आर्थिक गिरावट एवं 'नीतिगत-पंगुता' की विरासत छोड़ी थी। जनता द्वारा एक निर्णायक जनादेश समय की मांग थी। लोग बड़ी संख्या में नरेन्द्र मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार को चुनने के लिए घरों से बाहर निकले। नरेन्द्र मोदी देश में आशा की किरण बनकर उभरे। लोग भाजपा में अपना भविष्य देख रहे थे। भाजपा शासन में राज्य सरकारों ने उत्कृष्ट कार्य किया था- गुजरात एक 'रोल मॉडल' बनकर उभरा था, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ बीमारू राज्य के तमगे को उतार विकास की राह पर सरपट दौड़ रहे थे। लोग विकास और सुशासन चाहते थे। वे ऐसी सरकार चुनना चाहते थे जो निर्णय ले सके एवं विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके। नरेन्द्र मोदी एक ऐसे नायक के रूप में उभरे जिनके पास सरकार चलाने का अपार अनुभव तथा समावेशी विकास की दृष्टि थी। अपनी निर्णायक पहलों एवं राजनैतिक इच्छाशक्ति से गुजरात को उन्होंने तीव्र विकास की राह दिखाई थी। यह भारतीय लोकतंत्र की विशेषता है कि संकट के समय में लोग एकजुट होकर निर्णायक जनादेश देते हैं। 2014 के लोकसभा चुनावों में यही हुआ। 26 मई 2014 को भाजपा-नीत राजग सरकार ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शपथ लिया।

लोकसभा चुनावों के बाद अनेक राज्यों में भी विधानसभाओं के लिए चुनाव हुए। महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखण्ड एवं जम्मू-कश्मीर में लोगों ने भाजपा में अपना विश्वास व्यक्त किया। इतना ही नहीं, अधिकांश राज्यों में हुए स्थानीय निकायों के चुनाव में भाजपा ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। यह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि मोदी सरकार ने विकास एवं सुशासन की राजनीति से देश को 'नीतिगत-पंगुता' से बाहर निकाला। सभी सरकारी कार्यालयों में एक नई कार्य-संस्कृति दिख रही है जिसके अंतर्गत नियमों को सरलीकृत कर निर्णय प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था जो निराशा के गर्त में डूबती जा रही थी फिर से विश्व में आकर्षण का केन्द्र बन रही है और अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां इसे भविष्य की संभावना के तौर पर चित्रित कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था, जिसे नकारात्मक रूप से दिखाया जा रहा था, अब इसको ''विश्व के निराशापूर्ण माहौल में एक चमकते केन्द्र'' के तौर पर बताया जा रहा है। महंगाई नियंत्रण में है, विकास दर ऊपर जा रही है और विश्व स्तर पर आत्मविश्वास से भरा भारत का उदय हो रहा है। अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस से चीन और जापान तथा नेपाल, भूटान से श्रीलंका, फीजी, मॉरिशस तक- सभी भारत के साथ सुदृढ़ संबंध बनाने के लिए तत्पर हैं।

यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृष्टिपूर्ण नेतृत्व के कारण संभव हो पाया है। ''राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति''- सुशासन के उनके इस सिद्धांत से यह व्यापक परिवर्तन हो पाया है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का सपना 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र वाक्य के माध्यम से पूरा करने के भाजपा

केन्द्र सरकार की उपलब्धियां

'ऑपरेशन राहत ने विश्व में भारत का मान बढ़ाया'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कूटनीतिक कौशल व कुशल नेतृत्व में राजग सरकार के ऑपरेशन राहत ने दुनियाभर में भारत का मान बढ़ाया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्रीकांत शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने तत्परता से कदम उठाते हुए यमन में युद्ध जैसे हालात के बीच फंसे करीब साढ़े चार हजार भारतीयों को निकालकर स्वदेश वापस लाने का सराहनीय कार्य किया है।

विशेष बात यह है कि इस अभियान के तहत न सिर्फ हजारों भारतीयों को सुरक्षित निकालकर स्वदेश पहुंचाया गया बल्कि 26 देशों के नागरिकों को भी निकालने में भारत ने अहम भूमिका निभाई है। इन देशों में अमेरिका और सिंगापुर जैसे देश भी शामिल हैं। भारत को अमेरिका, बांग्लादेश और इराक सहित 26 देशों से भी उनके नागरिकों को यमन से निकालने के आग्रह मिले थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार को ऑपरेशन राहत की सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई।

जब भी दुनिया के किसी कोने में भारतीयों पर कोई संकट आया, स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी चिंता की और यह सुनिश्चित किया कि भारतीय नागरिक सकुशल स्वदेश लौटें। यमन में भी संकट में फंसे लोगों को निकालने के लिए उन्होंने विदेश राज्य मंत्री श्री वी के सिंह को भेजा जो युद्ध के हालात के बीच संकटग्रस्त इलाकों से भारतीयों को निकालने में जुटे हैं। ऑपरेशन राहत में जिस तरह विदेश मंत्रालय, वायुसेना और नौसेना ने बेहतरीन समन्वय के जरिए उत्कृष्ट अभियान चलाया है वह अद्वितीय है।

इससे पहले भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने संकट में फंसे भारतीयों को निकालकर सकुशल स्वदेश पहुंचाने के लिए तत्परता से कदम उठाए हैं। हाल में अफगानिस्तान में तालिबान के चंगुल में फंसे तमिलनाडु के पादरी फादर एलेक्सिस प्रेम कुमार को रिहा कराकर उन्हें स्वदेश लाने का काम भी मोदी सरकार ने किया। बीते दस महीने में मोदी सरकार ने यूक्रेन में फंसे 1,000 छात्रों और इराक में फंसे 7,000 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जिसमें सैकड़ों नर्सें भी शामिल थीं। इसी तरह सीरिया में फंसे 3,000 से अधिक भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित की।

वास्तव में मोदी सरकारों के प्रयासों से आज विदेशों में रह रहे करोड़ों भारतीयों के मन में यह भरोसा जगा है कि उनके वतन में आज ऐसी सरकार है जो उनकी चिंता करती है, उन्हें संकट के समय सहायता प्रदान करती है। पूरे देश को मोदी सरकार पर गर्व है। ■

के संकल्प के कारण ऐसे अचंभित करने वाले परिणाम सामने आये हैं। यह राष्ट्र हित में निरंतर समर्पित भाव से कार्य करने का फल है। देश न केवल निराशापूर्ण वातावरण से बाहर निकला है बल्कि एक सुनहरा भविष्य अब इसका इंतजार कर रहा है जब विश्व की सबसे तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में यह विश्व मंच पर अपनी भूमिका निभायेगा। इस सकारात्मक परिवर्तन का स्वागत लोगों ने भाजपा पर पुन: अपना विश्वास व्यक्त कर किया है। भाजपा की सदस्यता अब दस करोड़ की संख्या पार कर चुकी है जो अभी केवल कुछ महीने पहले असंभव सा प्रतीत होता था। एक ओर जबकि केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में नया इतिहास रच रही है, भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के सक्षम नेतृत्व में नई ऊंचाइयां छू रही है। ■

केन्द्र सरकार की उपलब्धियां

महंगाई से मिली राहत

भाजपानीत राजग सरकार के बेहतरीन प्रयासों के चलते लोगों को महंगाई से राहत मिली है। वस्त्र, जूता, चीनी और अंडे के दामों में कमी होने के कारण मार्च 2015 में उपभोक्ता मूल्यों पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति की दर घटकर 5.17 प्रतिशत रह गई है। सरकार द्वारा 13 अप्रैल को जारी आंकड़ों में कहा गया है कि फरवरी 2015 में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 5.37 प्रतिशत रही थी।

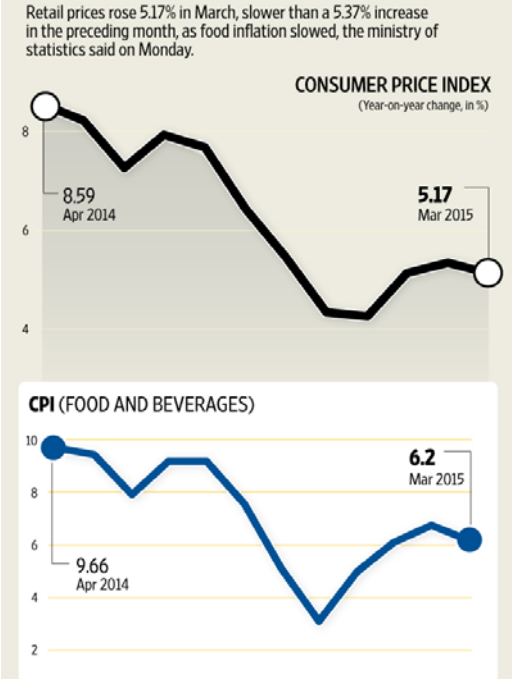

शहरी क्षेत्रों के लिए उपभोक्ता महंगाई दर मार्च में 4.75 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 5.58 फीसदी रही। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जारी आंकड़े के मुताबिक फरवरी 2015 में शहरी क्षेत्रों के लिए उपभोक्ता महंगाई दर संशोधित करने के बाद 7.52 फीसदी रही और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए संशोधन के बाद 6.43 फीसदी रही।

मार्च 2014 में यह आंकड़ा 8.25 प्रतिशत का था। आंकड़ों के अनुसार वस्त्र और जूता आदि की महंगाई दर 6.27 प्रतिशत गिर गई है, लेकिन ईंधन और रोशनी संबंधित वस्तुओं की मुद्रास्फीति की दर में 5.07 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। आवास की महंगाई दर 4.77 प्रतिशत हो गई है। मार्च 2015 में मोटे अनाज उत्पादों की खुदरा मुद्रास्फीति दर 2.32 प्रतिशत, मांस और मछली 5.11 प्रतिशत, दुग्ध उत्पाद 8.35 प्रतिशत रही है। इसी अवधि में फल की खुदरा मुद्रास्फीति दर 7.41 प्रतिशत, सब्जी 11.26 प्रतिशत, दाल 11. 48 प्रतिशत और मसाले 9.03 प्रतिशत पर दर्ज किए गए हैं।

चीनी की दर में 2.61 प्रतिशत और अंडा में 3.47 प्रतिशत की गिरावट आई है। खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई दर में भी पिछले महीने के मुकाबले कमी देखी गई है। मार्च में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 6.14 फीसदी रही, जबकि फरवरी में यह आंकड़ा 6. 79 फीसदी था। मार्च में सब्जियों की महंगाई दर 13.01 फीसदी से घटकर 11.26 फीसदी हो गई है। ईंधन और बिजली की महंगाई दर 5.07 फीसदी हो गई है।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी माना : भारत की विकास दर 7.5 फीसदी रहेगी

देश के आर्थिक परिदृश्य को स्थिर से बढ़ाकर सकारात्मक करने के करीब एक सप्ताह बाद वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने 17 अप्रैल को कहा कि भारत की विकास दर 2015 में 7.5 फीसदी रह सकती है। मूडीज एनालिटिक्स के सहायक अर्थशास्त्री फराज सैयद ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चक्रीय उत्थान की ओर है। भावी परिदृश्य से पता चलता है कि घरेलू मांग बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि महंगाई दर कम होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने 2015 के शुरू में मुख्य दर में 50 आधार अंकों की कटौती कर दी है, जिससे निजी क्षेत्र पर दबाव घटा है।

सैयद ने कहा कि निम्न दर और सरकार के अवसंरचना तथा विनिवेश संबंधी कार्यक्रमों से घरेलू बाजार पर आधारित उद्योगों में विकास दर्ज हो सकता है। रिजर्व बैंक ने पहले 15 जनवरी और फिर चार मार्च को रेपो दर में 25 आधार अंकों की दो बार कटौती की है। सैयद ने कहा कि रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि मौजूदा कारोबारी साल की प्रथम तिमाही में विकास दर साल-दर-साल आधार पर 7.3 फीसदी रह सकती है। एशियाई विकास बैंक ने 2015-16 में देश की विकास दर 7.8 फीसदी और 2016-17 में 8.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। 14 अप्रैल को विश्व बैंक ने कहा था कि आगामी कारोबारी साल में भारत की विकास दर बढकर आठ फीसदी रह सकती है।

शेष पृष्ठ 19 पर

संपर्क–संवाद संगठन के प्राण : अमित शाह

दस करोड़ सदस्यों से संपर्क करेंगे भाजपा कार्यकर्ता

भाजपा महासंपर्क सदस्यता अभियान हेतु 13 अप्रैल को आयोजित कार्यशाला को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संगठन पर्व का यह वर्ष भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण वर्ष है। क्योंकि जिस देश में 1600 पार्टियों का जमघट है उसमें सिर्फ भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसने पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र को बनाए रखा है। हर दो साल में नई सदस्यता और हर 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण और हर दो साल में संगठन के चुनाव। यह चुनाव संगठन की प्रक्रिया का हिस्सा है।

सामान्य कार्यकर्ताओं को संगठन का प्लेटफार्म देकर राजनीतिक क्षेत्र में बड़े योगदान देने वाले एक बड़े नेता के रूप में परिवर्तित करने की जो प्रक्रिया है वह संगठन का चुनाव है। देश भर के भाजपा के नेताओं का बैकग्राउंड देख लीजिए कहीं न कहीं उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत जिले, तहसील और बूथ से की है। मेरे जैसे कार्यकर्ता ने बूथ से शुरुआत की है और बूथ से लेकर अध्यक्ष तक पहुंचने की स्वतंत्रता और व्यवस्था यदि कोई एक पार्टी में है तो निश्चित रूप से गौरव के साथ कह सकते हैं कि वह भाजपा में है और किसी अन्य पार्टी में नहीं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि 50 वर्षों से इस व्यवस्था को जिन्होंने बनाकर, संजोकर रखा है और जिन्होंने आगे बढ़ाया है, हम इसको और मजबूत करके आगे बढ़ाये और देश के सामान्य जन को भाजपा के माध्यम से देश की सेवा करने का मौका दे, और इसीलिए यह संगठन पर्व आयोजित किए जाते हैं।

17 करोड़ वोट प्राप्त करने वाली पार्टी ने 10 करोड़ के करीब लोगों को सदस्य बनाने का गौरव हासिल किया है । इसमें हमने जो नई प्रणाली (मिस्ड कॉल) शुरू की उसका बहुत योगदान रहा। हम कह सकते है कि सदस्यता अभियान के माध्यम से भाजपा का काम सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशक हुआ है। आज इसी प्रयास के फलस्वरूप कामरूप से लेकर गुजरात तक और कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक एक सच्चे अर्थ में अखिल भारतीय स्वरूप धारण कर 10 करोड़ का एक बड़ा परिवार बनने मे सफल हुआ है।

आज मिस्ड कॉल के द्वारा जो सदस्य बना है वह पार्टी का शुभेच्छु है न की कार्यकर्ता। इन्हें शुभेच्छु से कार्यकर्ता बनाने की यात्रा संपर्क अभियान और बाद में प्रशिक्षण अभियान से शुरू होने वाला है। तभी जाकर लंबे समय तक विचारधारा की तत्वनिष्ठा के आधार पर योगदान देने वाले कार्यकर्ता निर्मित कर पाएंगे। आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। देश में सबसे ज्यादा सांसद और विधायक भाजपा के हैं। देश में सबसे ज्यादा सरकारें हमारी हैं और देश में सबसे अच्छा काम करने वाली सरकारें देने का गौरव भाजपा को प्राप्त है इसका एकमात्र कारण है कि हम विचारधारा के आधार पर चलने वाले हैं। इस विचारधारा के परिचय के लिए हमारा संपर्क अभियान है। जो शुभेच्छक हमारा सदस्य बना है उन्हें हमारी विचारधारा का, पार्टी का और हमारी सरकारें कैसे चलती है व किसलिए चलती है, इसका परिचय देना है।

संपर्क अभियान के तहत जब हमारे कार्यकर्ता संपर्क के लिए जाएंगे तो उनके हाथ में तीन चीजें होंगी – एक पार्टी की संपूर्ण यात्रा का सिंहावलोकन होगा, जिसमें श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी से लेकर नरेन्द्र मोदी तक पार्टी की यात्रा इसको चार पेज में संक्षिप्त रूप से समाहित करके आपको देंगे। ये पत्रक लेकर आपको कार्यकर्ता के पास जाना है। उसको बताना है कि पार्टी की यात्रा कैसी रही। बहुत रोमांचक और संघर्षपूर्ण यात्रा भारतीय जनता पार्टी की रही है। कई कार्यकर्ताओं ने अपना बलिदान दिया है। हमारे दो राष्ट्रीय अध्यक्ष शहीद हुए है। केरल बंगाल यहां तक कि तमिलनाडु

और देश के कई प्रांतों में हमारे कार्यकर्ता काम करते-करते इस विचार के लिए शहीद हुए है। तब जाकर पार्टी और पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्मान मिला है उनकी बलिदान की नींव पर पार्टी बनी है।

सत्ता प्राप्ति के लिए इस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने काम नहीं किया है। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने देश की विकास यात्रा सही रास्ते पर हो, देश की आजादी के बाद का रास्ता सही हो इसकी माटी की सुंगध के आधार पर देश की नीतियों का निर्माण हो और इस देश की नीति का निर्माण करने वाले लोग इस देश की संस्कृति और परंपरा से जुड़े हो इसके लिए संघर्ष किया था।

आज नरेन्द्र भाई के नेतृत्व में जब सरकार चल रही है तब देश हमारी विचारधारा के रास्ते पर प्रशस्त होकर विश्व में अपना सम्मानजनक स्थान बनाने में इन 10 महीनों में ही सफल हुआ है। इन 10 महिनों में दुनिया बड़ी आशा के साथ इस देश को देख रही है। इस बात को लेकर हमें नए कार्यकर्ता के पास जाना है।

उसके साथ में एक दूसरा पत्रक होगा उस पत्रक के अंदर इस पार्टी के सिद्धांतों का परिचय होगा। पार्टी क्यों बनी ? बनाने का क्या कारण था ? किस सिद्धांत के आधार पर पार्टी चलना चाहती है ? एकात्म मानववाद क्या है ? अंत्योदय क्या है ? पार्टी की सरकारें बनती है। हम सत्ता में आते है। चाहे तहसील पंचायत हो, जिला पंचायत हो, नगरपालिका हो प्रांत की सरकार हो या केन्द्र की सरकार हो। अगर हम सत्ता में आते हैं तो किस विचारधारा के साथ शासन चलाते हैं। हम इस देश में कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना चाहते है। विकास की इस प्रक्रिया में अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को हम प्रथम पंक्ति में लाना ही अंत्योदय का सिद्धांत है जिस पर हमारी सरकार काम कर रही है।

- 01 मई, 2015 से प्रारंभ होगा भाजपा का महासंपर्क अभियान
- दस सदस्यों से मिलकर बनी पार्टी आज 10 करोड़ सदस्यों की पार्टी बन गई है
- भाजपा ही वह पार्टी है, जिसने पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र को बनाए रखा है
- संगठन पर्व का यह वर्ष भाजपा के लिए महत्वपूर्ण वर्ष
- सदस्यता अभियान के माध्यम से भाजपा का काम सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशक हुआ है
- सबसे लोकप्रिय नेतृत्व हमारे पास है और सबसे लोकप्रिय सरकार हमारे पास है
- विचारधारा के परिचय के लिए ही है हमारा महासंपर्क अभियान
- सरकार के अच्छे कार्यों को जनता तक पहुंचाना और भ्रांतियों को दूर करने का कार्य भी करेगा हमारा महासंपर्क अभियान

इन सिद्धांतों का परिचय कराने के लिए भी एक सिद्धांतों की पुस्तिका हमारे पास होगी। साथ ही राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के अच्छे कार्यों की सूची भी इसके साथ होगी। ये तीनों कार्य लेकर हम नए कार्यकर्ता के पास जाएंगे। उसको ये तीनों चीजें अध्ययन करने का आग्रह करेंगे और बातचीत के माध्यम से भी उसे समझाने का प्रयास करेंगे तथा उसका एक पूर्ण परिचय लेने का प्रयास करेंगे। जो कार्यकर्ता बन रहा है उसका पूर्ण परिचय पार्टी के पास होगा।

10 करोड़ कार्यकर्ताओं का विवरण डीजीटाइजेशन किया जाएगा। गांव-गांव, गली-गली और घर-घर में संपर्क अभियान चले तभी जाकर इसके तार्किक लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। डीजीटल डाटा बनने से पार्टी को एक नई मजबूती मिलेगी और देश को एक नई दिशा मिलेगी। यह संपर्क अभियान एक तरह का समुद्र मंथन है, जिसके जरिए पार्टी को एक नए मुकाम तक पहुंचाना है।

15 लाख नए-पुराने कार्यकर्ताओं को अलग कर देश का सबसे बड़ा राजनैतिक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाएगा, जो 1 अगस्त से आरंभ होगा। जब यह प्रक्रिया पूरी होगी और अक्टूबर में जब नया संगठन चुनाव होंगे तो उस समय तक हमारे पार्टी कार्यालय के पास 15 लाख नए और मंजे हुए कार्यकर्ताओं की सूची होगी और ये कार्यकर्ता पार्टी की नींव बनेगें और जो 10 करोड़ सदस्य हमारे साथ जुड़े हैं वे हमारी विचारधारा की यात्रा को संपन्न करेंगे।

श्री मोदी जी के नेतृत्व में देश नई प्रगति कर रहा है। हमारी सरकार और हमारे काम के खिलाफ भ्रांतियां फैलाने की साजिश हो रही है। हम महासंपर्क अभियान के माध्यम से इन भ्रांतियों को दूर करके रहेंगे। समाज के बीच सरकार के कार्यों के खिलाफ फैलाई जा रही भ्रांतियों का जवाब भी हमारा यह महासंपर्क अभियान होगा।

1951 से लेकर 2014 तक पार्टी कई उतार-चढ़ाव के बाद आज इस मुकाम पर पहुंची है जिसका एकमात्र कारण संगठन और विचारधारा है। जिस प्रकार संगठन पर्व को हमने सफल बनाया है, उसी प्रकार महासंपर्क अभियान को सफल बनाना है। हम इलेक्ट्रॉनिक तरीके से बने सदस्यों की क्रॉस चैकिंग भी करेंगे। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रवास

विराट कार्यकर्ता समागम, बिहार

फिर जंगलराज लाने का काम किया नीतीश कुमार ने : अमित शाह

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित विराट कार्यकर्ता समागम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में राज्य में अराजकता के लिए श्री नीतीश कुमार और श्री लालू यादव पर जमकर निशाना साधा।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज का यह कार्यकर्ता समागम अंबेडकर जयंती के दिन हो रहा है और जिसमें भी जरा सी भी समझ है वो यह कार्यकर्ता समागम देखकर समझ जाएगा कि बिहार में अगली सरकार भारतीय जनता पार्टी की बनने जा रही है। यह समागम देखने के बाद यहां से निश्चित होकर जाने वाला हूं कि महागठबंधन हो या महाविलय हो सरकार दो-तिहाई बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की बनने वाली है। मैं लालूजी को भी कहना चाहता हूं कि शून्य में शून्य का योग बना लो तो शून्य ही होता है। जीरो प्लस जीरो, जीरो ही होता है कितने भी गठबंधन कर लो कुछ नहीं होने वाला, बिहार में तो भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनने वाली है।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता के आशीर्वाद से बिहार के अंदर एक परिवर्तन की आंधी इसी गांधी मैदान से उठी थी और देश में पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार बनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार आज दिल्ली में दुनिया में देश को सबसे ऊंचा उठाने का काम कर रही है। इसी सरकार ने देश के पूरे 125 करोड़ की आबादी के लिए कई ऐसी योजनाएं शुरू की है जिसके माध्यम से देश का गरीब, देश का किसान आज विकास के रास्ते पर चल पड़ा है।

अभी-अभी नीतीश जी ने यहां पर भूमि अधिग्रहण बिल के खिलाफ अनशन कर दिया। मैं नीतीश जी से पूछना चाहता हूं कि बिहार की 12 चीनी मीलें की जमीन किसके पास है? नीतीश जी हिसाब दे कि इन जमीन पर मॉल बनाने का पाप किसने किया है? अपने दोस्तों, मंत्रियों, परिवार वालों

- **बिहार में अगली सरकार भाजपा की होगी**
- **जीरो प्लस जीरो, जीरो ही होता है**
- **केन्द्र की मोदी जी की सरकार गरीबों और किसानों की सरकार है**
- **भूमि अधिग्रहण अध्यादेश से एक इंच जमीन भी किसी कार्पोरेट घराने के पास जाने वाली नहीं है**
- **विपक्ष के भ्रामक प्रचार का जवाब भाजपा के कार्यकर्ताओं को देना है**
- **बिहार में फिर जंगलराज लाने का काम नीतीश कुमार ने किया है**

को जमीन देने का काम किसने किया है? कितनी रेल और सड़क योजनाएं अटकी पड़ी है। बिहार का विकास रोक कर यह नीतीश सरकार बैठी है। और भारतीय जनता पार्टी को कहते है कि किसानों की जमीन भाजपा कार्पोरेट वालों को दे रही है। हम तो कभी नहीं करने वाले आप तो कर चुके है श्रीमान नीतीश जी पहले आप आत्मचिंतन करके देखिए। बिहार के अंदर भाजपा और जदयू को एक जनादेश मिला था। उस जनादेश की पीठ में खंजर घोंपने का काम नीतीश कुमार ने किया था। यही नहीं 15 वर्षो के बाद बिहार में व्याप्त जंगलराज से मुक्ति बिहार की जनता को मिली थी, फिर से

एक बार जंगलराज लाने का काम नीतीश कुमार ने किया है।

श्री शाह ने कहा, ''मैं बिहार के कार्यकर्ताओं को पूछना चाहता हूं कि बिहार की जनता को जंगलराज से मुक्ति दिलाने का काम भाजपा के कार्यकर्ताओं का है या नहीं? बिहार के गांव में बिजली पहुंचाने का काम भाजपा के कार्यकर्ताओं का है या नहीं? सड़क पहुंचाने का काम हमारा है या नहीं? बिहार के हर गांव में अच्छा स्कूल बनाने का काम भाजपा करना चाहती है या नहीं करना चाहती है? हर गांव के अंदर 108 एंबुलैंस की सुविधा पहुंचाने का काम हमें करना चाहिए या नहीं करना चाहिए? मित्रों, यदि नीतीश कुमार की सरकार और शायद राबड़ी देवी की सरकार आएगी तो मालूम नहीं कौन गठबंधन का नेता बनेगा। मगर नीतीश जी बने या राबड़ी देवी बने कोई बिहार का विकास नहीं कर सकता। बिहार का विकास नरेन्द्र भाई के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ही कर सकती है। जहां-जहां देश में भाजपा की सरकारें बनी है वहां गांव समृद्ध हुआ है, किसान समृद्ध हुआ है, युवाओं को रोजगार मिला है। गरीब गरीबी से ऊपर उठा है। यही काम अगर बिहार में करना है तो यहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार लानी पड़ेगी।

श्री शाह ने आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता आज इस कार्यकर्ता समागम से संकल्प लेकर जाए कि बिहार में जब तक दो-तिहाई बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं बनती हम आराम नहीं करेंगे। जिस तरह से नरेन्द्र भाई देश को दुनिया में सर्वोच्च जगह पर बिठाने का परिश्रम कर रहे हैं उसी तरह से बिहार में भाजपा की सरकार बनाएं और आने वाले दिनों में बिहार को देश का नंबर एक राज्य बनाने का मार्ग प्रशस्त करें, भाजपा के कार्यकर्ता यहां से यह संकल्प लेकर जाए।

श्री शाह ने कहा कि बिहार के सारे कार्यकर्ताओं के परिश्रम से आज बिहार की सदस्यता 90 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। 90 लाख सदस्य बिहार में भारतीय जनता पार्टी के हो चुके हैं। 90 लाख कार्यकर्ताओं की हमारी यह फौज गांव-गांव, गली-गली और घर-घर जाए और विपक्ष के भ्रामक प्रचार का जवाब देने का काम करे। हमारी जिम्मेदारी है कि जिस तरह से महाराष्ट्र में, झारखंड में, हरियाणा में और जम्मू-कश्मीर में भाजपा की सरकारें बनी हैं और मोदी जी का हाथ मजबूत करके देश के विकास में अपना योगदान दे रही है इसी तरह से बिहार में भी भाजपा की सरकार बने और बिहार भी देश का सिरमौर राज्य बनकर देश के विकास में योगदान दें।

कार्यकर्ता समागम को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ दिनों पहले अखबारों में परीक्षा केंद्रों पर खिड़की से लटककर नकल करा रहे युवाओं की तस्वीरें छपी थीं। छात्र परीक्षा में नकल कर रहे थे, तब बिहार सरकार क्या कर रही थी? बिहार के बच्चों को क्यों नकल का सहारा लेना पड़ता है? उन्होंने कहा कि इससे सरकार बच्चों का भविष्य बिगाड़ रही है।

श्री सिंह ने कहा कि राजनीति सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं की जाती। राजनीति देश और समाज बनाने के लिए की जाती है, लेकिन बिहार में राजनीति सिर्फ सरकार चलाने के लिए की जा रही है। सभा में उमड़ी भीड़ को देखकर उन्होंने कहा कि आपकी यह संख्या और जोश देखकर यह कह सकता हूं कि बिहार में भाजपा दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनानेवाली है। इस समागम में वरिष्ठ भाजपा नेता श्री रविशंकर प्रसाद, श्री शाहनवाज हुसैन, श्री नंदकिशोर यादव, श्री रामकृपाल यादव, श्री राजीव प्रताप रुड़ी समेत अनेक नेतागण उपस्थित थे।

झारखंड

'ऐसा संगठन बनाएं कि आने वाले 50 सालों तक देश को दिशा मिलती रहे'

गत 11 अप्रैल को मोरहाबादी में भाजपा के विशाल कार्यकर्ता समागम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाई, प्रदेश सरकार की प्रशंसा की और पार्टी की रणनीतियों का विस्तार से उल्लेख किया। इस अवसर पर उन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली सफलता और भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता इसी विश्वास के साथ काम करें, ताकि भाजपा आने वाले 50 सालों तक देश को दिशा दिखाती रहे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टुकड़ों-टुकड़ों में विभाजित और अब फिर से एकजुट हो रहे जनता दल परिवार के इस विलय में जनता नदारद है, सिर्फ परिवार ही परिवार है। लेकिन इससे भाजपा की सेहत पर

कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। जनता इनके शासन को देख चुकी है। ऐसे में अगर जनता दल एक होकर चुनाव लड़ता है तो भी भाजपा की सेहत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल, पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री श्री सुदर्शन भगत, सह संगठन महामंत्री श्री सौदान सिंह, प्रदेश प्रभारी श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, महामंत्री संगठन श्री राजेंद्र सिंह, सांसद श्री पीएन सिंह, श्री रामटहल चौधरी, श्री निशिकांत दूबे समेत कई मंत्री और विधायक उपस्थित थे।

भाषण के पांच मुख्य बिंदु :

1. **प्रधानमंत्री के जन धन योजना के तहत 10 माह में 13 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोले गए**
2. **मेक इन इंडिया के माध्यम से दुनिया भर की कंपनियों को भारत किया जा रहा आमंत्रित**
3. **विदेशों में काले धन की वापसी को लेकर एसआईटी का किया गया है गठन**
4. **भूमि अधिग्रहण अध्यादेश देश के किसानों और गरीबों के हित में होने की कही बात**
5. **सिर्फ 20 कोयला की नीलामी से दो लाख करोड़ रुपए और एक लाख करोड़ रुपए स्पेक्ट्रम से सरकार को हुई है आप**

पूर्वोत्तर

पूर्वोत्तर के युवाओं को कौशल विकास में प्राथमिकता देगी मोदी सरकार : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह 4 दिवसीय पूर्वोत्तर राज्यों के प्रवास पर 16 अप्रैल को दिल्ली से रवाना हुए। इन चार दिनों में उन्होंरने मिजोरम, नागालैंड एवं मणिपुर का प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने इन राज्यों में संगठन विस्तार के लिए प्रमुख संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठक की और जन सभाओं को संबोधित किया। श्री अमित शाह का यह पूर्वोत्तर राज्यों का प्रवास भाजपा के संगठन विस्तार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण प्रवास रहा।

मिजोरम

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 16 अप्रैल को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली राजग सरकार पूर्वोत्तर के युवाओं को कौशल विकास में प्राथमिकता देगी। आइजल में पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि मिजोरम सहित समूचे क्षेत्र के समग्र विकास के लिए युवाओं का कौशल विकास सर्वोपरि है।

पड़ोस के एशियाई देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की वकालत करने वाले श्री शाह ने कहा कि भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री पद पर होने के समय से ही विशेष पैकेज की शुरुआत कर क्षेत्र को प्राथमिकता दी है। श्री शाह ने कहा कि राजग के सत्ता में आने के बाद पूर्वोत्तर राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाई गई है।

भाजपा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार हर स्तर पर भ्रष्टाचार से लड़ रही है और इस समस्या को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नगालैंड

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों के नेताओं से नरेंद्र मोदी सरकार की कल्याणकारी और विकास योजनाओं को जमीनी स्तर तक ले जाने को कहा।

उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन के भ्रष्टाचार मुक्त होने पर भी जोर दिया।

यात्रा के दूसरे दिन 17 अप्रैल को श्री शाह ने नगालैंड के भाजपा नेताओं के साथ दीमापुर में बैठक की और वहां पार्टी का आधार मजबूत करने को कहा। राज्य के सभी 11 जिला अध्यक्षों के साथ बैठक में उन्होंने पार्टी की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री के पूर्वोत्तर के विकास का संदेश लोगों तक पहुंचाने को कहा। आदिवासियों के कल्याण की केंद्र प्रायोजित योजनाएं उन तक पहुंचें, इसके लिए आदिवासियों से जुड़ने की सलाह दी। भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, यह कहते हुए उन्होंने विकास योजनाओं की निगरानी करने को भी कहा। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों के विकासात्मक कार्यक्रमों की सरकार की पहल को सुनिश्चित करने के लिए पार्टी नेताओं का समर्थन मांगा।

श्री अमित शाह ने नगालैंड के राज्यपाल पीबी आचार्य से भी मुलाकात की और आदिवासी कल्याण की योजनाओं

और राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। इसके अलावा वह नगाओं की शीर्ष संस्था नगा होहो समेत कई कुछ सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और हिंदू, मुसलमान तथा ईसाई धर्मों के नेताओं से भी मिले।

मणिपुर

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने 18 अप्रैल को मणिपुर एवं पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा में शामिल होने की अपील की ताकि क्षेत्र में तेजी से विकास हो सके और भ्रष्टाचार खत्म हो सके। इंफाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि सिर्फ भाजपा ही एक ऐसी भ्रष्टाचार मुक्त सरकार दे सकती है जो क्षेत्र में विकास कर सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए 1,900 करोड रुपए आवंटित किए हैं।

उन्होंने मई में स्वायत्त जिला हिल काउंसिल के चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों के लिए लोगों का समर्थन भी मांगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) श्री राम लाल और वरिष्ठ नेता श्री तापिर गाव के साथ आए श्री शाह ने पार्टी का आधार मजबूत करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में सघन दौरा किया। ■

प्रधानमंत्री की फ्रांस, जर्मनी और कनाडा की नौ दिवसीय ऐतिहासिक सफल यात्रा

✍ रामनयन सिंह की रिपोर्ट

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस, जर्मनी और कनाडा की नौ दिवसीय सफल यात्रा की। 9 अप्रैल को फ्रांस से शुरू यह यात्रा 17 अप्रैल को कनाडा में समाप्त हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी फ्रांस में चार दिन, जर्मनी में दो दिन तथा कनाडा में तीन दिन प्रवास पर रहे। यही नहीं, 42 साल में कनाडा के लिए किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा रही। श्री मोदी की इस यात्रा से सबसे बड़ा फायदा रक्षा, परमाणु ऊर्जा, स्मार्ट सिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और रेलवे के क्षेत्र में हुआ है। फ्रांस के साथ राफेल लड़ाकू विमान और कनाडा के साथ परमाणु संयंत्रों के लिए यूरेनियम की आपूर्ति करने का समझौता हुआ है। इस यात्रा के बाद अब फ्रांस, जर्मनी और कनाडा भारत के स्मार्ट सिटी, रेलवे, इंफ्रास्ट्रक्चर, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में भागीदार भी बने हैं।

भारत-फ्रांस के बीच 17 समझौतेः रक्षा क्षेत्र में मिलेगी बड़ी मदद

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले पड़ाव में फ्रांस पहुंचे। उन्होंने 10 अप्रैल को भारत-फ्रांस के बीच 17 अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार फ्रांस भारत में 2 अरब यूरो का निवेश करेगा। इसके अलावा वह भारत के तीन शहरों को स्मार्ट सिटी बनाएगा। इसमें नागपुर और पॉन्डिचेरी शामिल हैं। यही नहीं, श्री मोदी ने प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुए हजारों भारतीय सैनिकों का फ्रांस के न्यूवे चौपेल स्मारक में श्रद्धांजलि दी। ऐसा करने वाले वह प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री थे। श्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच 2 महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। फ्रांस की कंपनी रक्षा क्षेत्र में हमारा सहयोग करेगी और भारत में रक्षा उपकरण बनाएगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांस्वो ओलांद के बीच राफेल लड़ाकू विमान सौदे पर सहमति बनी। यह सौदा पिछले 17 साल से अटका हुआ था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रपति श्री ओलांद के साथ 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता किया। इस समझौते के तहत फ्रांस उड़ान भरने की स्थिति वाले 36 लड़ाकू राफेल विमान की आपूर्ति करेगा।

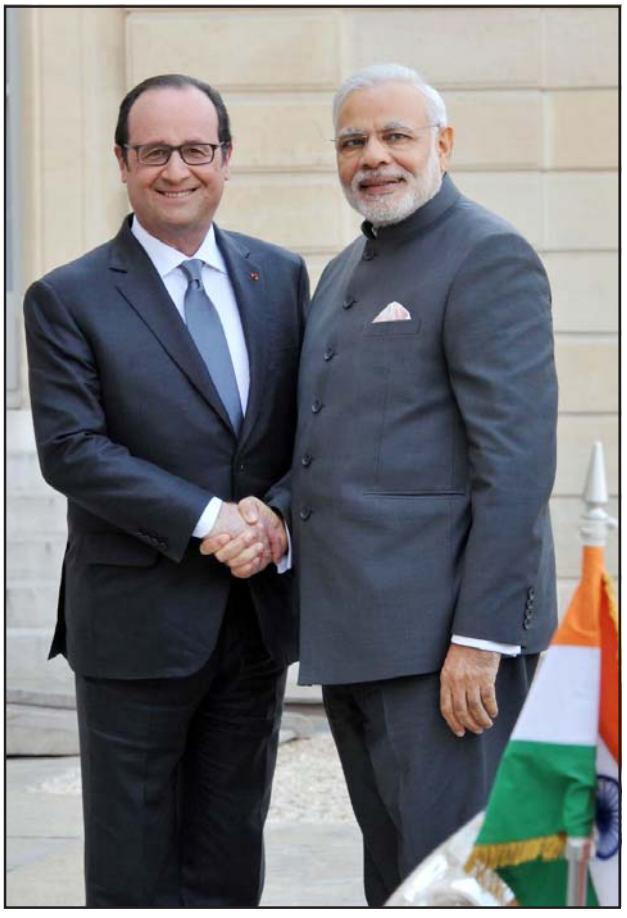

अगले दो साल में यह विमान भारतीय वायु सेना में शामिल हो जाएंगे। इससे हमारी वायुसेना की ताकत भी बढ़ेगी।

फ्रांस के साथ हुए मुख्य समझौते

- **फ्रांस से भारत 36 राफेल लड़ाकू विमान जल्द से जल्द खरीदेगा।**
- **महाराष्ट्र में जैतापुर में परमाणु ऊर्जा प्लांट के लिए सहयोग, छह प्लांट बनाने की ओर प्रगति।**
- **भारत को तीन स्मार्ट शहर बनाने में भी मदद करेगा। इसमें नागपुर और पॉन्डिचेरी शामिल हैं।**
- **भारत में एयरबस आने वाले सालों में दो अरब यूरो का निवेश करेगा।**
- **छात्र पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी ढूंढने के लिए ज्यादा समय तक रुक पाएंगे।**
- **दोनों देशों में वीजा नियम आसान करने पर भी सहमति।**
- **सेमी हाई स्पीड रेल के क्षेत्र में सहयोग को लेकर सहमति।**
- **अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में समझौता।**
- **स्पोर्ट्स मेडिसिन, खेल के क्षेत्र में महिला और विकलांगो की भागीदारी पर समझौता।**

श्री मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और फ्रांस के बीच महाराष्ट्र के जैतापुर में परमाणु संयंत्र स्थापित करने पर नए सिरे से सहमति बनी है। फ्रांस की कंपनी अरेवा यहां छह परमाणु संयंत्र शुरू करेगी।

यहां बनने वाली बिजली की कीमतों को कम करने पर भी फ्रांस सहमत हो गया है। इन संयंत्रों से दस हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इसके अलावा अरेवा और एलएंडटी के बीच देश में फोर्जिंग निर्माण के लिए इकाई स्थापित करने का महत्वपूर्ण समझौता हुआ है।

यही नहीं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और सेमी हाई-स्पीड ट्रेन के लिए फ्रांस भारत का पार्टनर बनने को राजी हो गया है। दिल्ली-चंडीगढ़ रेल लाइन पर ट्रेनों की स्पीड 200 किमी करने और अंबाला और लुधियाना रेलवे स्टेशन को दोबारा विकसित करने के लिए फ्रांस भारत का स्टडी पार्टनर बनेगा। फ्रांस भारत में स्मार्ट सिटी विकसित करने के लिए शहरों की पहचान करने में मोदी सरकार की मदद करेगा। भारत और फ्रांस के बीच रेलवे, परमाणु ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतरिक्ष, स्मार्ट सिटी, रक्षा, रिन्यूएबल एनर्जी, एनर्जी एफीशिएंसी, अरबन हैरीटेज, पर्यटन जैसे कुल 17 अहम समझौते हुए हैं। श्री मोदी की महत्वाकांक्षी योजना मेक इन इंडिया में फ्रांस की कई कंपनियों ने अपनी रुचि दिखाई है।

फ्रांस की प्रमुख विमानन कंपनी एयरबस ने मोदी के तुलूज एयरबस संयंत्र का दौरा करने के बाद मेक इन इंडिया का समर्थन करते हुए कहा कि वह भारत में विमान बनाने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति श्री ओलांद के साथ साझा बयान में फ्रांस को भारत का सबसे विश्वसनीय साझेदार बताया। फ्रांस के राष्ट्रपति श्री ओलांद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मेक इन इंडिया उनके लिए सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है।

श्री मोदी ने कहा ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां भारत और फ्रांस सहयोग नहीं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि फ्रांस भारत के सर्वाधिक महत्वपूर्ण मित्रों में से है। फ्रांस के राष्ट्रपति श्री ओलांद ने कहा कि उनका देश आने वाले समय में भारत में 2 अरब यूरो का निवेश करेगा और उनका देश नागपुर और पॉन्डिचेरी को स्मार्ट सिटी बनाने में भारत की मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फ्रांस की कंपनियां मिलकर भारत में रक्षा उपकरण बनाएंगी और साथ ही साथ रक्षा तकनीकों का विकास भी करेंगी। इस संदर्भ में मेरी फ्रांस की डिफेंस कंपनियों से काफी विस्तार से बातें हुई हैं। आज हम भारत और फ्रांस की रक्षा साझेदारी को एक नए स्तर पर ले गए हैं। न्यूक्लियर प्लांट के क्षेत्र में फ्रांस भारत के प्रमुख साझेदारों में से एक है।

उन्होंने कहा कि समुद्री, साइबर और अंतरिक्ष सुरक्षा सभी के लिए चिंता का कारण है। आतंक फैल रहा है और नए-नए स्वरूप ले रहा है। विश्व के अनेक क्षेत्रों और शहरों में इस चुनौती का सामना किया जा रहा है। चाहे पेरिस हो या मुंबई, भारत और फ्रांस ने एक-दूसरे के दर्द को सहा है और समझा है।

इस वैश्विक चुनौती के लिए व्यापक वैश्विक स्ट्रेटजी की आवश्यकता है। इसमें हर देश का यह दायित्व है कि आतंक के विरोध लड़ाई में पूरा समर्थन दें और आतंक समूहों को पनाह लेने न दें और आतंकवादियों को जल्द से जल्द सजा दें।

दूसरा पड़ाव : जर्मनी
मेक इन इंडिया पर जोर

यात्रा के दूसरे पड़ाव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जर्मनी पहुंचे। यहां मोदी ने जर्मन की कंपनियों को भारत में निवेश करने और मेक इन इंडिया को सफल बनाने में उनका सहयोग मांगा। वहां की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही जर्मनी की चांसलर एंजेला मार्केल ने श्री मोदी को यूरोपीय संघ और भारत के बीच एफटीए समझौते पर सहयोग देने का भरोसा दिया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच संतुलित और परस्पर लाभदायक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) जल्द संपन्न कराने में जर्मनी की चांसलर एंजेला मार्केल से सहयोग मांगा था।

भारत-जर्मनी वार्ता मुख्य बातें

- दोनों देशों के मध्य खुले व्यापार पर समझौता।
- भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करने के लिए दोनों देशों के व्यापार और उद्योग के बीच मजबूत संबंधों को प्रोत्साहन देने के लिए हैनो मेस्सी में भारत की भागीदारी के जरिए हुई प्रगति का उपयोग।
- जर्मन ड्युअल पद्धति के रूप में कौशल विकास में शामिल उद्योग को मजबूत करने के जरिए प्रशिक्षुओं और अप्रेंटिसेज की संभावना बढ़ाने के लिए रूपरेखा सहित नई पहल के जरिए विद्यमान भारत-जर्मन सहयोग का विस्तार।
- शहरी विकास के बारे में कार्यकारी समूह की स्थापना के जरिए आपसी सहयोग को मजबूत करना। भारत में स्मार्ट शहरों के विकास में सहयोग और आपसी लाभ के नए क्षेत्रों के विकास में सहयोग, प्रत्यक्ष सहयोग के लिए नगर पालिकाओं के समकक्ष नेटवर्क की स्थापना और किफायती आवास के क्षेत्र में सहायता सहित भारत में शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे के विकास को समर्थन।
- जल और कचरा प्रबंधन के क्षेत्रों में दो कार्य समूहों की स्थापना के जरिए आपसी सहयोग को मजबूत करना।
- सेमी हाई-स्पीड एवं हाई-स्पीड रेलवे की स्थापना और सिगनलिंग एवं दूरसंचार एवं हाई-स्पीड रेल सिस्टम की शुरुआत के साथ रेल क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं कर्मचारियों के कौशल विकास सहित रेलवे के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए समर्थन।
- भारत में जर्मनी कंपनियों के लिए अधिक सुविधा देने पर ताकि जर्मन निवेशक अधिक निवेश कर सकें।
- जर्मनी की ओर से अक्तूबर 2014 में गंगा स्कोपिंग मिशन को पूरा करने के बाद, गंगा नदी संरक्षण रणनीतियों के बारे में सहयोग विकसित करना, शहरी स्वच्छता को समर्थन, औद्योगिक प्रदूषण के बारे में मानकों और दृष्टिकोण की स्थापना तथा नवाचार वित्तीय मॉडल की स्थापना।
- भारत में छतों पर सौर ऊर्जा की व्यापक व्यवस्था एवं पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा गलियारा परियोजनाओं के विकास के लिए तकनीकी एवं वित्तीय सहायता के जरिए 2022 तक 175 गीगा वॉट नवीकरणीय ऊर्जा के भारत के प्रस्तावित लक्ष्य में समर्थन।
- शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग, दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी।
- उच्च शिक्षा कार्यक्रम में भारत-जर्मन महत्वपूर्ण भागीदारी और भारत की ज्ञान पहल की रूपरेखा में दोनों देशों के बीच वैज्ञानिकों के आदान-प्रदान को बढ़ाने के जरिए भारत और जर्मनी में विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को मजबूत करने तथा मानव विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय आधुनिक अध्ययन केंद्र की स्थापना सहित शिक्षा के क्षेत्र में आदान-प्रदान को प्रोत्साहन।
- प्रत्येक देश की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप युवाओं में एक दूसरे की भाषाओं के ज्ञान को व्यापक करने के लिए भारत और जर्मनी में संबंधित कार्यक्रमों एवं प्रयासों को समर्थन।
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में अनुसंधान एवं विकास सहयोग को प्रोत्साहन देने की घोषणा।

अपनी जर्मनी यात्रा के अंतिम दिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने 14 अप्रैल को साझा बयान जारी किया। इस दौरान श्री मोदी ने कहा कि हमारा सामान्य उद्देश्य सतत विकास, नवाचार एवं कौशल में जर्मन अभियांत्रिकी और अनुभव तथा भारत में उपलब्ध नए अवसरों तथा आर्थिक वृद्धि एवं सतत विकास को हासिल करने की दिशा में मेक इन इंडिया, क्लीन इंडिया एवं डिजिटल इंडिया और अन्य प्रयासों के बीच अधिक तालमेल को प्रोत्साहित करना है। हैनो मेस्सी 2015 में भागीदार देश के रूप में भारत की भागीदारी इस सहयोग को मजबूत करने के लिए हमारी सामान्य इच्छा की स्वागतयोग्य अभिव्यक्ति है।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को अलग-थलग किए जाने की जरूरत: मोदी

साझा बयान के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि जो सरकारें आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं, उनकी निगरानी करने और उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सवांददाताओं से कहा कि संयुक्त राष्ट्र को आतंकवाद की सही परिभाषा तय करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा शांति को समर्पित है। शांति के प्रयासों के लिए भारत की बार-बार प्रशंसा होती है। भारत के साथ न्याय होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता देने में काफी देर हो चुकी है।

श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ एक सुर में बोलने की जरूरत है। आतंकवाद मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है और इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र में लंबित 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर समग्र समझौते'' (सीसीआईटी) को इस वर्ष विश्व संगठन की 70वीं वर्षगांठ के मौके पर अंतिम रूप दिए जाने की भी जोरदार वकालत की। सीसीआईटी का मकसद अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से मुकाबले के लिए सहयोग को मजबूती प्रदान करना है। जर्मन चांसलर एंजला मर्केल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने आतंकवाद को 'मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा' बताया और कहा कि मानवता में विश्वास रखने वाले सभी पक्षों को एक आवाज में बोलना चाहिए और इससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों को तेज करना चाहिए। दोनों नेताओं ने इससे पूर्व आतंकवाद के खतरे पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक चुनौती है। इस मुद्दे से परमाणु प्रसार की तरह

संवेदनशीलता से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें इस दिशा में काम करने की जरूरत है कि हम कैसे उन स्रोतों को रोक सकते हैं जहां से हथियारों की आपूर्ति होती है। कैसे हम उन देशों पर दबाव बना सकते हैं जहां की सरकारें आतंकवादियों को शरण देती हैं। हमें ऐसे देशों और सरकारों को अलग-थलग करने की जरूरत है। गौरतलब है श्री मोदी की यह टिप्पणी पाकिस्तान की एक अदालत द्वारा लश्कर ए तय्यबा के आपरेशन कमांडर और 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ता जकीउर रहमान लखवी को रिहा किए जाने के चार दिन बाद आयी है। लखवी की रिहाई पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई है और अमेरिका, फ्रांस तथा इस्राइल समेत कई देशों ने इस पर चिंता का इजहार किया है। लखवी की रिहाई पर कड़ा विरोध जताते हुए भारत ने कहा था कि इससे आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान की प्रतिबद्धता का मोल 'घट 'गया है। प्रेस से वार्ता में श्री मोदी ने अपनी शुरुआती टिप्पणियों में कहा कि आतंकवाद का फैलाव बढ़ रहा है और इसका चरित्र बदल रहा है। दुनिया के हर क्षेत्र से यह खतरा हमारे करीब आ रहा है। हमें इस वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए समग्र वैश्विक रणनीति की जरूरत है जिसमें भारत और जर्मनी मिलकर काम कर सकें।

जर्मन चांसलर मर्केल ने भी आतंकवाद को वैश्विक चुनौती बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सामूहिक रूप

से आतंकवाद से लड़ने की सहमति बनी है। श्री मोदी ने कहा कि इसी प्रकार आने वाले दिनों में मैरीटाइम, साइबर और अंतरिक्ष सुरक्षा हर किसी के लिए चिंता का विषय होंगे और दोनों देशों को इन क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने पश्चिम एशिया में अस्थिरता और हिंसा के बारे में भी बात की और कहा कि यह 'देश में हमारे नागरिकों की सुरक्षा को प्रभावित करता है। श्री मोदी ने अफगानिस्तान के शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक विकास के महत्व पर भी जोर दिया।

भारत-कनाडा के साथ हुए 13 समझौते

यात्रा के अंतिम पड़ाव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कनाडा पहुंचे। श्री मोदी पिछले 42 बरसों में भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने कनाडा की यात्रा की है। तीन दिवसीय यात्रा पर यहां आए श्री मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री श्री स्टीफन हार्पर के साथ यूरेनियम खरीद के साथ कुल 13 समझौते किए। इनमें रेलवे, सुरक्षा, नागरिक विमानन, शिक्षा एवं कौशल विकास आदि कई महत्वपूर्ण समझौते हैं। श्री मोदी ने श्री हार्पर के साथ आतंकवाद के खतरे, ऊर्जा सहयोग की अपार संभावना, मैन्यूफैक्चरिंग, स्मार्ट सिटी, कृषि उद्योग और अनुसंधान पर व्यापक विचार विमर्श किया।

कनाडा यात्रा के पहले दिन ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक महत्वपूर्ण समझौता किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री श्री स्टीफन हार्पर के बीच 15 अप्रैल को व्यापक बातचीत के बाद हुए इस समझौते के तहत कैमेको कारपोरेशन भारत को पांच वर्षों तक 3000 मीट्रिक टन यूरेनियम की आपूर्ति करेगा। इस यूरेनियम का इस्तेमाल भारत में परमाणु ऊर्जा बनाने में किया जाएगा, जिससे देश में बिजली की किल्लत कम होगी। उल्लेखनीय है कि रूस और कजाखिस्तान के बाद कनाडा भारत को यूरेनियम देने वाला तीसरा देश है। यह आपूर्ति अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की सुरक्षा मानकों के तहत है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के प्रमुख पेंशन फंड मैनेजर्स और निवेशकों के साथ राउंड टेबल बैठक भी की। इस बैठक के बाद संकेत मिले हैं कि पेंशन फंड मैनेजर्स और निवेशक भारत में दीर्घकालीन योजना के तहत 30 से 50 साल की अवधि के लिए चार लाख करोड़ डॉलर (2500 लाख करोड़ रुपए) तक निवेश करने को तैयार हैं। यह निवेश देश के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में होगा।

भारत-कनाडा समझौते की प्रमुख बातें

- कनाडा के साथ पांच साल के लिए यूरेनियम आपूर्ति समझौता श्री मोदी के विदेश दौरे की बहुत बड़ी उपलब्धि रही, क्योंकि कनाडा ने 1974 के परमाणु विस्फोट के बाद भारत को परमाणु सहयोग बंद कर दिया था।
- पांच वर्षों में भारत, कनाडा से तीन हजार टन से ज्यादा यूरेनियम खरीदेगा। इसका इस्तेमाल भारत के परमाणु कार्यक्रम में किया जाएगा।
- तेल और गैस के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति। साथ ही अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने पर सहयोग।
- टोरंटो और नई दिल्ली के बीच एयर कनाडा की सीधी उड़ानों पर सहमति।
- आंतकवाद के खिलाफ दोनों देश मिल कर लड़ेंगे।

कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त रूप से संवाददाताओं को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमारे परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए कनाडा से यूरेनियम आपूर्ति का समझौता द्विपक्षीय सहयोग के नए युग की और आपसी विश्वास के नए स्तर की शुरुआत है। इस समझौते से स्वच्छ ऊर्जा का प्रयोग कर भारत अपने विकास को मजबूत करेगा। उल्लेखनीय है कि कनाडा ने 1970 में भारत को यूरेनियम और परमाणु हार्डवेयर पर रोक लगा दी थी। हालांकि 2013 में कनाडा-भारत परमाणु सहयोग समझौता पर हस्ताक्षर के बाद यूरेनियम आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया था।

भारत के विकास की प्राथमिकता में कनाडा को संभावित मुख्य साझीदार बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों

के बीच व्यापार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री हार्पर और वह आर्थिक साझेदारी का नया फ्रेमवर्क बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री मोदी ने दोनों देशों के संबंधों के इतिहास में अपनी यात्रा को महत्वपूर्ण बताया। श्री मोदी ने इसे भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करने वाला बताया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कौशल विकास पर तेरह समझौतों से भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भारत के युवाओं को विश्व स्तरीय कौशल से युक्त बनाने की मेरी प्रतिबद्धता का पता चलता है। हमारे असैन्य इस्तेमाल के लिए परमाणु बिजलीघरों के लिए कनाडा से यूरेनियम की खरीद के समझौते से आपसी परमाणु सहयोग का नया युग आरंभ हुआ है। इससे आपसी विश्वास और भरोसे के नए स्तर का भी पता चलता है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ अपनी वृद्धि करने के भारत के प्रयासों को ताकत भी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष पर समझौते से हम उन्नत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग के लिए मजबूत तालमेल किया है। दोनों देशों की जनता के बीच अधिक संपर्क के लिए हमने कनाडा के लिए अपनी वीजा नीति को उदार बनाया है। हम कनाडा के नागरिकों को पर्यटन वीजा के लिए इलेक्ट्रॉनिक वीजा अनुमति जारी करेंगे। वे अब दस वर्ष के लिए वीजा भी ले सकेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि भारत में बड़े पैमाने पर बदलाव और हमारी आर्थिक वृद्धि से कनाडा को अपार अवसर मिलेंगे। आतंकवाद के खतरे पर श्री मोदी ने कहा कि गत वर्ष अक्टूबर में कनाडा में हुए आतंकी हमले का दर्द भारत ने महसूस किया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के शहरों पर आतंकवाद का खतरा बढ़ रहा है। हमें आतंकवाद से मुकाबले के लिए सहयोग बढ़ाना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के इन तीन देशों की यात्रा के सकारात्मक परिणाम रहे। इस दौरान यह धारणा मजबूत हुई कि भारत निवेश के लिए एक आकर्षक ठिकाना है। उल्लेखनीय है कि भारत की विकास योजनाओं के लिए विदेशी निवेश बहुत महत्वपूर्ण है। यही नहीं, इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सशक्त रूप से संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के लिए स्थाई सदस्यता का दावा पेश किया। गौरतलब है कि पहले भारत लॉबिंग करता था, लेकिन अब उसकी भाषा बदल गई है- 'मैं मांगूगा नहीं, यह मेरा अधिकार है।' यह एक आत्मविश्वास से लबरेज भारत का उद्‌बोध है, जो वैश्विक शक्ति का हिस्सा बनने की कोशिश कर रहा है।■

पृष्ठ 7 का शेष...

आईएमएफ व वर्ल्ड बैंक का अनुमान : 2016 में भी भारत की विकास दर चीन से ज्यादा होगी

देश के आर्थिक विकास की दर 2015 और 2016 में उम्मीद से अधिक रहेगी। इस साल भारत की विकास दर चीन से अधिक हो जाएगी। इससे दुनिया के बड़े देशों में भारत सबसे अधिक विकास वाला देश बन जाएगा। 2016 में तो यह फासला और बढ़ सकता है। यह दावा इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) और वर्ल्ड बैंक ने अलग-अलग अनुमानों में किया है। दोनों का मानना है कि 2015 में भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत पहुंच सकती है, जो साल भर पहले 7.2 प्रतिशत थी। हालांकि, 2016 के लिए आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने विकास दर के अलग-अलग अनुमान लगाए हैं। आईएमएफ ने कहा है कि 2016 में विकास दर 7.5 प्रतिशत रह सकती है। वहीं, वर्ल्ड बैंक का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था अगले साल 7.9 प्रतिशत की गति से बढ़ सकती है। आईएमएफ ने अपने जनवरी के अनुमान में 2015 में 6.3 प्रतिशत और 2016 में 6.5 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। वहीं, वर्ल्ड बैंक ने जनवरी में भारत की जीडीपी विकास दर इस साल 6.4 प्रतिशत और अगले साल 7 प्रतिशत रहने की बात कही थी। भारत सरकार का कहना है कि मार्च 2016 में खत्म होने वाले वित्तीय वर्ष में जीडीपी विकास दर 8.15 प्रतिशत रह सकती है।

ये आंकड़े देश के लिए खुशखबरी हैं। यूं तो आर्थिक संभावनाओं के मामले में भारत और चीन की चर्चा हमेशा एक साथ होती रही है, लेकिन अब तक भारत की जीडीपी विकास दर कभी भी चीन से अधिक नहीं हुई थी। हालांकि, भारत की अर्थव्यवस्था 2 लाख करोड़ डॉलर की है, जबकि चीन की 10 लाख करोड़ डॉलर की। ■

पक्षधरता बनाम गुटनिरपेक्षता

पं. दीनदयाल उपाध्याय

भारत की विदेश नीति हमारे राष्ट्रीय एजेंडे का एक प्रमुख हिस्सा है। आजाद भारत ने एक स्वतंत्र, सार्वभौमिक विदेश नीति की स्थापना की। इस विदेश नीति का उद्देश्य औपनिवेशिक नीतियों से छुटकारा प्राप्त करना था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू की विदेश नीति को लेकर सदैव आलोचना होती रही है कि इसने तमाम संवेदनशील मुद्दों पर राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता किया है। देश आज भी नेहरू की नीतियों का खामियाजा भुगत रहा है। हम यहां पंडित दीनदयालजी द्वारा 1960 में लिखे उस लेख का प्रथम भाग प्रकाशित कर रहे हैं, जिसमें भारत की विदेश नीति के सूक्ष्मतम पहलुओं का विवेचन किया गया है और बताने की कोशिश की गई है कि किस प्रकार भारत की स्वतंत्र, सार्वभौमिक नीति से देश के राष्ट्रीय हितों का संरक्षण किया जा सकता है।

-संपादक

सभी देशों से बंधुता और विश्व के दो महान शक्तियों से गुटनिरपेक्ष भाव से युक्त भारत की विदेश नीति का उद्देश्य वैश्विक बंधुता बढ़ाने वाली और भारत की स्वतंत्रता को संरक्षित करने वाली होनी चाहिए। सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी को छोड़कर अन्य सभी दल और वर्ग इस नीति का समर्थन करते हैं। यह सच है कि देश में कुछ ऐसे लोग हैं, जो इस वृहद नीति की पृष्ठभूमि में विदेश मंत्रालय एवं इसके कुछ देशों और घटनाओं तथा कुछ विशेष नीतियों के कड़े आलोचक रहे हैं। इन आलोचकों का मानना है कि इस स्वीकृत विदेश नीति में यथार्थवाद और दूरदर्शिता का अभाव है और यह एक राष्ट्र के हितों को सुरक्षित करने में विफल रही है।

अंध समर्थक और विवेकशून्य आलोचक

प्रधानमंत्री पंडित नेहरू विदेश मंत्री भी हैं। उनके पास अंधसमर्थक तो हैं ही साथ ही उतनी ही मात्रा में विवेकशून्य आलोचक भी हैं। इन आधारों पर भारत की विदेश नीति की विवेचना अतिशयवाद तथा असंतुलित मूल्यांकन की शिकार है। इस तरह के लोगों को

अन्तरराष्ट्रीय क्षेत्र में मित्र या शत्रु होना मात्र आकस्मिक घटना के रूप में नहीं ली जाती है। इस प्रकार के सम्बन्धों के विकास में सदैव पर्याप्त पृष्ठभूमि में रहती है और कोई भी दो व्यक्ति, चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हो, वे इन सम्बन्धों में बदलाव नहीं ला सकते हैं। ये व्यक्ति स्वयं अपने आप में परिस्थितियों और ऐसी ताकतों के सामान्यतया अधीनस्थ होते हैं, जिसे वे थोड़ा बहुत तो बदल सकते हैं, और उसके लिए भी उन्हें लम्बा प्रयास करना पड़ता है।

विदेशी मुद्दों की वैसी समझ व परख नहीं है, जैसी की होनी चाहिए। इसका परिणाम यह होता है कि एक तरफ जब कोई छोटी-मोटी घटना घटित होती है तो ऐसा माहौल बनता है कि हमारी विदेश नीति में परिवर्तन होना चाहिए। तथा दूसरी तरफ कई लोग ऐसे भी हैं जो इसे प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लेते हैं। दोनों नजरिए गलत हैं और हमारी अपरिपक्वता को दर्शाते हैं।

इतना ध्यान रखना जरूरी है कि विदेश नीति सदैव कोई सिद्धांत न होकर नीति का मामला होती है। राष्ट्रीय हितों का संरक्षण और बढ़ावा वह सिद्धांत है जो इसकी रचना का निर्धारण करता है। अत:, जब कोई इस पर अत्यधिक इकरार करता है तो इसका मतलब राष्ट्रीय हितों को गौण स्थान देना होता है, जो गम्भीर गलती होती है। साथ ही साथ, विश्व के अन्य राष्ट्रों के प्रति रवैया और उनके साथ दोस्ती या शत्रुता को अपने आप में बदला नहीं जा सकता है। जिस प्रकार से जब कोई व्यक्ति अपने हर रोजमर्रा के जीवन को बार-बार बदलता है तो उसे विश्वसनीय नहीं माना जाता है, उसी प्रकार जब कोई राष्ट्र

पल-पल में अपनी विदेश नीति बदलता है तो उसे कोई भी गम्भीरता से नहीं लेता है। अन्तरराष्ट्रीय क्षेत्र में मित्र या शत्रु होना मात्र आकस्मिक घटना के रूप में नहीं ली जाती है। इस प्रकार के सम्बन्धों के विकास में सदैव पर्याप्त पृष्ठभूमि में रहती है और कोई भी दो व्यक्ति, चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हो, वे इन सम्बन्धों में बदलाव नहीं ला सकते हैं। ये व्यक्ति स्वयं अपने आप में परिस्थितियों और ऐसी ताकतों के सामान्यतया अधीनस्थ होते हैं, जिसे वे थोड़ा बहुत तो बदल सकते हैं, और उसके लिए भी उन्हें लम्बा प्रयास करना पड़ता है। नि:संदेह ऐसी परिस्थितियां होती है, जिनसे आकस्मिक रूप से मित्रता होना या न होना घटता है जैसा कि हमने द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीका और रूस के बीच मित्रता होते देखा है। परन्तु इस प्रकार की मित्रता लम्बे समय तक नहीं चल पाती है।

राष्ट्रीय विदेश नीति की आवश्यकता

जो राष्ट्र अपने आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों का हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं, उन्हें इस बात का ध्यान रखना होगा कि सामान्यतया उनकी विदेश नीति पार्टी बहस का विषय नहीं बनने देना चाहिए। यदि अन्य देशों के साथ हमारे सम्बन्ध पार्टी आधार पर निर्धारित होते हैं और इस सम्बन्ध में हमारी पार्टियां भिन्न-भिन्न प्रकार का रवैया अपनाती हैं तो विदेशी ताकतें निश्चित ही हमारी आंतरिक राजनीति में दिलचस्पी लेना शुरू कर देंगी। भारत एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश है जहां विदेशी नागरिकों को निर्बाध रूप से स्वतंत्रता प्राप्त है। भारत के साथ हुए कुछ विदेशी ऋणों और सहायता समझौतों की शर्तों के अनुसार कुछ राजदूतावासों को भी देश में पर्याप्त धन वितरण का अधिकार है। ऐसी परिस्थितियों में, यदि किसी विशेष ब्लॉकों के साथ बहस-मुबाहसा या साथ जुड़ने का प्रयोग किया जाता है तो इसका मतलब तो उन देशों को हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का जुआ खेलने जैसा हो जाएगा।

बहुत से स्वतंत्र देशों ने स्वयं को विश्व के अन्य शेष देशों से अपने को अलग करने की बात पसंद आई है ताकि वे स्वयं अपना विकास कर सकें। अमरीका स्वयं अनेक दशकों से अलग-थलग नीति पर चल रहा है। जब जापान स्वयं अपना विकास करने के लिए काम में जुड़ा था तो उसने कभी भी विदेशियों को जापान में प्रदेश की इजाजत नहीं दी। आज भी रूस में निर्माण कार्य एक लोहे की दीवार के पीछे चल रहा है।

यदि हम इस प्रकार की नीति पर न भी चलना चाहें तो हमें कम से कम इतना तो सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय पार्टी राजनीति में विदेश नीति बहस का विषय न बने। सरकार और विपक्षी पार्टियों, दोनों को ही इस बारे में अपना कर्त्तव्य निभाना चाहिए। विदेश नीति पर पार्टी लाभ उठाने के लालच को रोका जाना चाहिए। इस बारे में हमें आत्मनिरीक्षण करना होगा और अपने रवैये में सुधार लाना होगा, बेहतर होगा कि हम पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोपों से बचें।

...क्रमश:

श्रद्धांजलि

दिल्ली प्रदेश भाजपा मंत्री कृष्णलाल ढिलोड़ का निधन

भाजपा दिल्ली प्रदेश के मंत्री श्री कृष्णलाल ढिलोड़ का आकस्मिक निधन 14 अप्रैल को नई दिल्ली में हो गया। श्री कृष्णलाल ढिलोड़ पीजीडीएवी कॉलेज से ही छात्रसंघ में सक्रिय हो गए और विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए वे 2014 में भाजपा दिल्ली प्रदेश के मंत्री बने। यही नहीं वे भारतीय वाल्मिकी चेतना महासंघ, दिल्ली के अध्यक्ष भी रहे।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने श्री ढिलोड़ के परिवार को सांत्वना देते हुये कहा है कि उनके जैसे कार्यकर्ता विरले ही देखने को मिलते हैं और भाजपा परिवार सदैव उनका ऋणी रहेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय ने कहा है कि अनुसूचित समाज के अग्रणी नेता श्री ढिलोड़ एक हंसमुख प्रवृत्ति के समर्पित भाजपा कार्यकर्ता थे और उनके आकस्मिक निधन से हुई क्षति पूर्ति बहुत कठिन होगी। उनकी अंत्येष्टि के अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय, राष्ट्रीय मंत्री सरदार आर.पी. सिंह, सांसद श्री रमेश बिधूड़ी, श्री प्रवेश वर्मा, श्रीमती मीनाक्षी लेखी, भाजपा नेता श्री विजय शर्मा, श्री दुष्यंत गौतम, श्री विजेन्द्र गुप्ता, श्री आशीष सूद, श्री योगेन्द्र चांदोलिया, श्री रमेश बाल्मीकि एवं श्री आतिफ रशीद सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। ■

विशेष साक्षात्कार

संगठन और कार्यकर्ता पार्टी का आधार हैं : रामलाल

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 03-04 अप्रैल को बेंगलुरु (कर्नाटक) में सम्पन्न हुई। इस बैठक में विदेश नीति और देश की राजनीतिक स्थिति पर दो प्रस्ताव पारित किए गए। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चाएं हुई। कमल संदेश के कार्यकारी संपादक डा. शिव शक्ति बक्सी ने भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल से महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। साक्षात्कार के मुख्य अंश निम्न हैं:-

- बेंगलुरु में भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक 03-04 अप्रैल को सम्पन्न हुई। भाजपा के लिए इसका क्या महत्व है?

राष्ट्रीय कार्यसमिति भारतीय जनता पार्टी का एक निश्चित अंतराल में होने वाला कार्यक्रम है। इसमें पार्टी के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ नेतागण, मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य, ये सब उपस्थित रहते हैं। सभी प्रदेशों में अध्यक्ष एवं महामंत्री संगठन, उनको भी हम विशेष रूप से आमंत्रित करते हैं। स्वाभाविक है जब इतनी बड़ी संख्या में सब प्रमुख लोग जिनका पार्टी के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान है, आते हैं तो सभी सामयिक विषयों पर चर्चा व प्रस्ताव पारित होते हैं जिसमें कार्यसमिति के सदस्यों का भी सुझाव के तौर पर सहभाग रहता है। प्रमुख पदाधिकारियों से चर्चा करने के पश्चात् पार्टी की आगामी योजनाएं क्या हों, आगामी कार्यक्रम क्या हों, इसका भी निर्णय हम लोग करते हैं। इसके कारण सभी कार्यकर्ताओं को काम तथा पार्टी को एक निश्चित दिशा में गति प्रदान होती है। इस बार भी कार्यसमिति में कार्यसमिति बैठक से पहले दिन सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री संगठन, प्रदेशों के प्रभारी, ये उपस्थित रहे।

- भाजपा का सदस्यता अभियान अत्यंत सफल रहा एवं भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई है। इस अभियान की क्या विशेषता रही?

सदस्यता अभियान की व्यापक समीक्षा हुई। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने सदस्यता अभियान की उन्नति पर पूर्ण संतोष व्यक्त किया तथा पूरी राष्ट्रीय टीम व सभी स्तर तक के कार्यकर्ता, जिन्होंने पूरे मनोयोग एवं मेहनत से सदस्यता के अभियान को आगे बढ़ाया, उन सबका आभार प्रकट किया, उन सबका अभिनन्दन किया। विभिन्न प्रदेशों की समीक्षा में यह बात ध्यान में आयी कि अनेक प्रदेशों ने दस दिन से लेकर तीन-तीन महीने तक कहीं जिला स्तर पर, कहीं विधान सभा स्तर पर कहीं-कहीं मंडल स्तर तक विस्तारक के रूप में कार्यकर्ताओं की योजना की। सभी मोर्चों ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कई मोर्चों ने भी सात दिन से लेकर 15 दिन के लिए विस्तारक निकाले। ये बात ठीक है कि सदस्यता ऑनलाइन है, अभी भी चल रही है। लेकिन इसके लिए केवल अपने-आप लोगों ने मोबाइल से मिस्ड कॉल दिया, लोग सदस्य बन गये, इतना सोचना उचित नहीं रहेगा। कार्यकर्ताओं ने पूरी मेहनत की, गांव-गांव, घर-घर गये। स्टेशन, बाजार, स्कूल, कॉलेज- उनके सामने

सदस्यता के लिए स्टॉल लगाया, विभिन्न तरीके से प्रचार-प्रसार किया और अपनी मेहनत के आधार पर सदस्यता के इस लक्ष्य को प्राप्त किया है।

कई बार जिनको जानकारी नहीं होती उन्हें लगता है कि ऑनलाइन सदस्यता सहज रूप से हो गई। जब ये चर्चा शुरू हुई कि भारतीय जनता पार्टी सदस्यता की दृष्टि से दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई तब कई मीडिया के बंधुओं का भी उस तरफ ध्यान गया। पूरी जानकारी के अभाव में उन्होंने प्रश्न भी खड़ा करने का प्रयास किया। लेकिन जब जानकारी हुई तो सबको लगा कि भारतीय जनता पार्टी की इतनी बड़ी सदस्यता, कार्यकर्ताओं की मेहनत और एक पारदर्शी व्यवस्था के तहत, आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने विश्वास व्यक्त किया कि 30 अप्रैल तक सभी के प्रयत्न से निश्चित रूप से सदस्यता दस करोड़ से ऊपर चली जायेगी।

पिछले दस महीने में चाहे दुनिया में भारत का सम्मान वृद्धि हो, सीमाओं पर सुरक्षा का प्रश्न हो, चाहे भारत में सरकार के प्रति विश्वसनीयता का वातावरण हो, तुरन्त निर्णय प्रक्रिया हो, भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी शासन-व्यवस्था हो, 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से देश की समृद्धि और युवाओं को रोजगार देने का प्रयास हो, गरीबों को विभिन्न प्रकार से लाभ हो, इन सभी मोर्चों पर अनेक उपलब्धियों के साथ सरकार काम कर रही है।

- नये सदस्यों को पार्टी से जोड़ने के लिए भी एक महा संपर्क अभियान की योजना बनी है। इस संबंध में बैठक में क्या चर्चा हुई?

इसी बैठक में जो सदस्य बने हैं उनसे मिलने, उनका सत्यापन करने, जो एसएमएस से अपना डाटा फीड नहीं कर पाये उनसे उनका नाम, पता, रुचि आदि के बारे जानकारी करने की दृष्टि से एक महा संपर्क अभियान, इसकी रूप-रेखा प्रस्तुत की गई। सभी से सुझाव लेकर राष्ट्रीय कार्यसमिति में इस महा संपर्क अभियान को 1 मई से 31 जुलाई तक करने की घोषणा की गई। इसमें छोटी-छोटी टोली बनाकर कार्यकर्ता हर नये सदस्य के घर जायेंगे, उनसे संपर्क करेंगे, जनसंघ से लेकर अब तक पार्टी का इतिहास, पार्टी का कार्यक्रम तथा हासिल की गई उपलब्धियों से जुड़ा एक पत्रक हाथ में देंगे। जनसंघ से लेकर अब तक पार्टी ने अनेक राष्ट्रीय विषयों पर आंदोलन किये हैं और राजनीति को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण का मोड़ दिया है, उनकी भी जानकारी देंगे। पार्टी की आज की स्थिति जिसमें पार्टी सदस्य की दृष्टि से तो सबसे बड़ी बनी ही है आज लोकसभा वे विधान सभा सदस्यों की दृष्टि से भी सबसे बड़ी पार्टी है। सरकार की दृष्टि से भी सबसे अधिक राज्यों में स्वयं भाजपा या गठबंधन के अंतर्गत सरकार में हैं। भारतीय जनता पार्टी के पास देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। हम इन बातों की भी चर्चा करेंगे। साथ-साथ पार्टी की पंच-निष्ठाओं की भी चर्चा होगी। इसी के साथ विभिन्न प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सरकारों का नेतृत्व कर रहे हैं और वे सरकारें समाज में अनेक अच्छी योजनाओं के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए विशेष रूप से गांव, गरीब, किसान, मजदूर के विकास के लिए कार्य कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार देने का प्रयास कर रही हैं। इसी क्रम में केन्द्र में जनता के सहयोग से पूर्ण बहुमत की स्थिर सरकार बनी है। देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता माननीय नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री के रूप में उसका नेतृत्व कर रहे हैं। और पिछले दस महीने में चाहे दुनिया में भारत का सम्मान वृद्धि हो, सीमाओं पर सुरक्षा का प्रश्न हो, चाहे भारत में सरकार के प्रति विश्वसनीयता का वातावरण हो, तुरन्त निर्णय प्रक्रिया हो, भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी शासन-व्यवस्था हो, 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से देश की समृद्धि और युवाओं को रोजगार देने का प्रयास हो, गरीबों को विभिन्न प्रकार से लाभ हो, इन सभी मोर्चों पर अनेक उपलब्धियों के साथ सरकार काम कर रही है। केन्द्र सरकार की एक ही दृष्टि है- 'सबका साथ-सबका विकास'। इन सब बातों की भी चर्चा सम्पर्क के समय होगी।

- नये सदस्यों के प्रशिक्षण प्रबोधन का कार्यक्रम संगठन किस रूप में चलाने वाला है?

जहां कहीं भी कोई पीड़ित है, कठिनाई में है, सरकार उसका हाथ पकड़कर कठिनाई से उबारने का प्रयास कर रही है। चाहे देश के विभिन्न हिस्से में कहीं बाढ़ आई हो, अन्य प्राकृतिक आपदाएं आई हों, अतिवृष्टि व ओले

के कारण किसानों की फसल बर्बाद हुई हो, आतंकवादी घटनाएं हुई हो, सीमा पर अतिक्रमण के प्रयास हुए हों, गोलाबारी हुई हो, इन सभी विषयों पर सरकार ने तुरंत सक्रिय होकर समाधान प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी व माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने उद्‌बोधन में सरकार की अनेक उपलब्धियों का जिक्र किया है। जनधन योजना, बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, बेटी-बचाओ-बेटी-पढ़ाओ योजना, नमामि गंगे, स्वच्छ भारत योजना आदि-आदि। इन सब विषयों की जानकारी देने वाली पुस्तिका भी संपर्क अभियान में सब सदस्यों को दी जायेगी। संपर्क अभियान पूर्ण होने के पश्चात् प्रशिक्षण की व्यापक योजना बनी है जिसमें मंडल स्तर पर एक दिन, जिला स्तर पर दो दिन तथा प्रदेश स्तर पर तीन दिन का प्रशिक्षण होगा। इसमें सभी सक्रिय सदस्य, पार्टी से नये जुड़े लोग तथा समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले प्रमुख नागरिक भाइयों-बहनों को भी चिह्नित करके प्रशिक्षण योजना से जोड़ा जायेगा। और इस तरह से पार्टी का विस्तार और विकास तथा सुदृढ़ता सुनिश्चित की जायेगी। माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी अपने पहले दिन के उद्‌बोधन में इसका उल्लेख किया था। संगठन और कार्यकर्ता- यही अपनी सब बातों का आधार है। संगठन के माध्यम से पार्टी का विस्तार, उस आधार पर शासन तथा शासन द्वारा समाज परिवर्तन की दिशा लेकर हम सब कार्य करें। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति में माननीय अध्यक्ष जी ने इन सब विषयों पर उद्‌बोधन देते हुए विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

भूमि अधिग्रहण से संबंधित कुछ विपक्षी पार्टियों ने भ्रामक प्रचार किया है- तथ्यों सहित इसकी भी रूपरेखा रखी गई और बताया गया कि यह कानून पूर्णतया किसानों के हित में है तथा बेरोजगारों को रोजगार देने के पक्ष में है।

- कार्यसमिति में विदेश मामलों पर प्रस्ताव पारित होने के साथ-साथ भूमि-अधिग्रहण विधेयक और जम्मू-कश्मीर में सरकार के विषय पर भी चर्चा हुई है। कार्यसमिति का इन पर क्या रुख था?

माननीय प्रधानमंत्री जी, विदेश मंत्री जी एवं अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के विदेश प्रवास के कारण दुनिया में भारत को जिस तरह सम्मान की नजर से देखा जा रहा है तथा दुनिया के लोगों की भारत से अपेक्षाएं बढ़ी हैं, इस विषय में एक विस्तृत प्रस्ताव पारित किया गया। इसी के साथ-साथ देश की राजनैतिक परिस्थिति, शासन के द्वारा किए गये कार्य, पूरे भारत में पार्टी के प्रति एक सकारात्मक वातावरण जो बना है उसको निरंतर बनाये रखने के आह्‌वान के साथ दूसरा प्रस्ताव पारित हुआ। भूमि अधिग्रहण से संबंधित कुछ विपक्षी पार्टियों ने भ्रामक प्रचार किया है- तथ्यों सहित इसकी भी रूपरेखा रखी गई और बताया गया कि यह कानून पूर्णतया किसानों के हित में है तथा बेरोजगारों को रोजगार देने के पक्ष में है। इस कानून के आने के पश्चात् ग्रामीण क्षेत्र के विकास का तीव्र गति से मार्ग प्रशस्त होगा जो गांवों की समृद्धि का भी कारण बनेगा, गांवों में मूलभूत सुविधाएं देने का भी कारण बनेगा और जो लोग आजादी के पश्चात् अब तक गांव में पिछड़े रहे हैं उनके विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा, साथ ही छोटे-छोटे उद्योग-धंधों के माध्यम से करोड़ों लोग विशेष रूप से नौजवान रोजगार आदि प्राप्त करके इससे लाभान्वित होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने आह्‌वान किया इस कानून की किसान व रोजगार हितैषी बातों को स्पष्टता के साथ सबके सामने रखें, जिससे विपक्षियों का भ्रम जाल टूट सके। जम्मू-कश्मीर में गठबंधन की सरकार बनी है उसके बारे में भी प्रारंभ के कुछ वक्तव्यों तथा जम्मू-कश्मीर में बीजेपी सरकार में है, यह ना पचा पाने के कारण विपक्षियों ने कई प्रकार के भ्रम फैलाने की कोशिश की, उसकी भी स्पष्टता कार्यसमिति के सभी सदस्यों के सामने रखी गई और कार्यसमिति के सभी सदस्य जिन परिस्थितियों में सरकार बनी उनसे संतुष्ट हुए।

- अन्य कौन से महत्वपूर्ण विषय थे जिसमें कार्यसमिति में योजना बनी?

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के निर्देशानुसार अन्य कुछ कार्यक्रमों की भी योजना की गई जिसमें बाबा साहेब अंबेडकर जी की 125वीं जयंती पर वर्ष भर होने वाले कार्यक्रमों के केन्द्र में समरसता विषय को रखकर

योजना बनाने को कहा गया। 26 मई को जब केन्द्र सरकार का एक वर्ष पूर्ण हो रहा है केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर निचली इकाई तक संपर्क, विभिन्न स्थानों पर छोटी-बड़ी सभाओं के आयोजन की योजना बनी। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने पर पूरे देश व दुनिया में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा तथा शासन के द्वारा जो कार्यक्रम किए जायेंगे उसमें पार्टी के कार्यकर्ता भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लें- इसका आह्वान किया गया। 25 सितंबर 2015 से 25 सितंबर 2016 तक पार्टी के विचार अधिष्ठान के प्रणेता तथा देश-दुनिया को एकात्म मानव दर्शन व अंत्योदय (गरीब से गरीब व्यक्ति का कल्याण) का संदेश देने वाले पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मशती मनाने का भी निर्णय किया गया। इस शताब्दी वर्ष में केन्द्र, प्रदेश व जिला स्तर पर शताब्दी समारोह समिति निर्माण करने की योजना की गई तथा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से वैचारिक अधिष्ठान को प्रतिष्ठापित करने व गरीबों के कल्याण को केन्द्र में रखकर कार्यक्रमों की रचना करने का आग्रह किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने 9 अगस्त की राष्ट्रीय परिषद् में अपने उद्बोधन में एक बात का उल्लेख किया था- राजनीति में रहते हुए केवल राजनैतिक गतिविधि ही नहीं बल्कि राजनीति को समाज सेवा का माध्यम बनाया जाय। वर्ष में कोई एक कार्यक्रम इस दृष्टि से सोचकर अपने हाथ में लें। इसी दृष्टि से सभी कार्यकर्ताओं को यह आह्वान किया गया कि भारत में अभी तक चल रही 'सिर पर मैला ढोने की कुप्रथा' को समाप्त करने की दिशा में कार्यकर्ता कार्य करें। स्वच्छता अभियान, शौचालय निर्माण व इसके लिए अन्य जो आवश्यक कार्य हो उसको करने की दिशा में आगे बढ़ें। सभी नदियां पवित्र हैं फिर भी पूरी दुनिया में गंगा का एक विशेष महत्व है। इसलिए पहले चरण में नमामि गंगे योजना के अंतर्गत गंगा को निर्मल करने की दिशा में हम सब अपने प्रयत्न जोड़ें। उन्होंने इसका भी आग्रह किया कि शासन द्वारा 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' योजना की जो शुरुआत हुई है इसमें भी सभी मिलकर मिशन मोड से काम करें। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने 'मुद्रा बैंक' के अंतर्गत सरकार ने छोटे-छोटे उद्यमी, गांव गली में बैठे कारीगर, उनके लिए अनुदान की जो व्यवस्था की है उसके बारे में सबको पूरा लाभ मिले, इस दृष्टि से अपने प्रयत्न भी जोड़ने का आग्रह किया।

सभी कार्यकर्ताओं को यह आह्वान किया गया कि भारत में अभी तक चल रही 'सिर पर मैला ढोने की कुप्रथा' को समाप्त करने की दिशा में कार्यकर्ता कार्य करें। स्वच्छता अभियान, शौचालय निर्माण व इसके लिए अन्य जो आवश्यक कार्य हो उसको करने की दिशा में आगे बढ़ें।

- माननीय प्रधानमंत्री जी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने अंततः कौन सी घोषणाएं एवं आह्वान किए?

राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने इसका भी आह्वान किया कि गैस पर जो सब्सिडी मिलती है विशेषकर सांसद विधायक और अन्य सक्षम कार्यकर्ता स्वप्रेरणा से पहल करके उसको छोड़ें। यह भी जानकारी दी गई कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी और प्रमुख पदाधिकारी हर माह के पहले व तीसरे सोमवार को केन्द्रीय कार्यालय पर मिलने को उपलब्ध रहेंगे। दिन के प्रथम भाग में पदाधिकारी व जनप्रतिनिधिगण तथा दिन के दूसरे भाग में अन्य कार्यकर्ता मिल सकेंगे। यह भी जानकारी दी गई कि प्रतिदिन शाम को 4 से 6 तक कोई न कोई एक केन्द्रीय मंत्री केन्द्रीय कार्यालय पर उपलब्ध रहेंगे, जिससे शासन से जुड़े विषयों की चर्चा कार्यकर्ता कर सकें।

अंत में माननीय प्रधानमंत्री जी का समापन उद्बोधन हुआ, जिसमें उन्होंने आह्वान किया कि जिन अपेक्षाओं से जनता और आप सबने सरकार चुनी है, यह सरकार उन पर निश्चित रूप से खरी उतरेगी। आप सब पूरे विश्वास के साथ अपने क्षेत्र में जायें, सिर ऊंचा कर के सरकार की उपलब्धियों को लेकर खड़े होने की आज हमारी स्थिति है। हर तरफ आत्मविश्वास व विजय के जिस वातावरण का निर्माण हुआ है उसे आगे ले जायें।

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने विभिन्न कार्यक्रम एवं योजनाओं को गति देने की दृष्टि से विभिन्न समितियों की भी घोषणा की। निश्चित रूप से इन समितियों के माध्यम से इन सभी योजनाओं को गति मिल सकेगी और निश्चित समय में हम सफलता की ओर बढ़ सकेंगे। ■

अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र का शिलान्यास

'अगर अंबेडकर न होते तो मोदी यहां न होता'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 20 अप्रैल को नई दिल्ली में अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र का शिलान्यास किया। यह केंद्र दिल्ली के दिल में बसा जनपथ पर बनेगा। इस केंद्र के निर्माण में 192 करोड़ का रुपये का खर्चा आएगा। और लगभग 18 महीने में यह बनकर तैयार हो जाएगा। इस केंद्र के जरिए बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के जीवन और उनके देश के संविधान निर्माण में किए गए योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा।

शिलान्यास करने के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को केवल दलितों का नेता कहना गलत है, वो तो देश के नेता थे। संविधान निर्माता भीम राव अंबेडकर का देश के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में योगदान को याद करते हुए कहा है कि बाबा साहब अंबेडकर ने जो संविधान बनाया और उस संविधान के कारण जो सरकारें बनी थीं। उन सरकारों को बाबा साहब को याद करने में दिक्कतें होती थी।

श्री मोदी ने कहा कि अगर अंबेडकर नहीं होते तो मैं यहां तक नहीं पहुंचता। ये बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के संविधान की ही ताकत है जो देश के सभी लोगों को विकास के समान अवसर देता। उन्होंने कहा कि भेदभाव से मुक्त बाबा साहब ने संविधान में सभी के विकास का ध्यान रखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा साहब ने हमें जो एक मंत्र दिया है, शिक्षित बनो। समाज के आखिरी छोर पर बैठे हुए इंसान को अगर हम शिक्षित बनाते हैं तो बाबा साहब को उत्तम से उत्तम श्रंद्धाजलि होगी। सवा सौ साल मनाने का वो उत्तम से उत्तम तरीका होगा, क्योंकि ये वहीं लोग है जो शिक्षा से वंचित रह गए है, जिनके लिए बाबा साहब जीते थे, जीवन भर जूझते थे और इसलिए हमारे लिए एक सहज कर्तव्य बनता है। उस कर्तव्य का पालन करना है। भारत को ऐसा संविधान मिला है, जिस संविधान में द्वेष और कटुता को कहीं जगह नहीं है।

उन्होंने कहा कि समाज के दलित, पीड़ित, शोषित वंचित सिर्फ उन्हीं का भला किया है ऐसा नहीं है। कभी-कभी मैं जब यह सुनता हूं तो मुझे पीड़ा होती है कि बाबा साहेब अम्बेडकर दलितों के देवता थे। जी नहीं, वो मानव जात के लिए थे। और न ही सिर्फ हिंदुस्तान में विश्व भर के दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, उपेक्षित उन सबके लिए एक आशा की किरण थे। और हमने भी गलती से भी बाबा साहब को छोटे दायरे में समेट करके उनको अपमानित करने का पाप नहीं करना चाहिए था। इतने बड़े मानव थे। श्री मोदी ने कहा कि अंबेडकर परमात्मा के रूप थे। साथ ही साथ उन्होंने कहा है कि आलोचना करने वाले अंबेडकर को नहीं समझते।

महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि बाबा साहब महिला सशक्तिकरण को बहुत बारीकी से देखा। आज भी विवाद होते रहते हैं। उस समय बाबा साहब की

हिम्मत देखिए, उन्होंने जिन कानूनों को लाने में सफलता पाई, जो हिन्दुस्तान में महिला सशक्तिकरण के लिए एक बहुत बड़ी ताकत रखते है। ये बाबा साहब का प्रयास था कि जिसके कारण हिंदू मैरिज एक्ट 1955 बना।

गौरतलब है कि बी आर अंबेडकर की जन्मशती मनाने के लिए गठित एक राष्ट्रीय समिति ने 1990 में अंतरराष्ट्रीय केंद्र की स्थापना की सिफारिश की थी। इसने सुझाव दिया था कि अंतरराष्ट्रीय केंद्र में एक नेशनल पब्लिक लाइब्रेरी और दूसरी आधारभूत संरचनाएं होनी चाहिए। समिति ने अंबेडकर फाउंडेशन स्थापित करने की भी सिफारिश की थी। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्था के तौर पर 1992 में इसकी स्थापना हुई। अंबेडकर संविधान के मुख्य शिल्पकार थे और देश में अस्पृश्य समझे जाने वाले लोगों को न्याय दिलाने के मकसद से काम किया। ■

टाइम मैग्जीन में ओबामा ने लिखा– मोदी का भारत में गरीबी हटाने पर जोर

पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में लेख लिखा। टाइम मैग्जीन में छपे लेख में श्री ओबामा ने मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें भारत का 'रिफॉर्मर इन चीफ' करार दिया है। श्री ओबामा ने इस लेख में लिखा कि मोदी का भारत में गरीबी हटाने पर जोर है। वे गरीबी हटाने का अच्छा प्रयास कर रहे हैं। मोदी ने पहले चाय बेचकर परिवार को आगे बढ़ाया और अब देश को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, डिजिटल इंडिया के जरिये भारत को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अपनी तारीफ किए जाने पर श्री मोदी ने श्री ओबामा का शुक्रिया अदा किया है।

श्री ओबामा ने ये लेख दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों की लिस्ट निकालने के मौके पर लिखा है। ओबामा ने लिखा कि मोदी बचपन में अपने परिवार के जीवकोपार्जन के लिए चाय बेचने में पिता का हाथ बंटाया करते थे। आज वो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के मुखिया हैं और एक गरीब किशोर से प्रधानमंत्री बनने तक की उनकी कहानी उभरते भारत के जोश और क्षमताओं को प्रदर्शित करती है।

श्री ओबामा ने लिखा है कि देश को आगे ले जाने के लिए दृढ़संकल्पित मोदी का मकसद गरीबी को कम करना, शिक्षा को बढ़ावा देना, महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण है। भारत की तरह, वो आधुनिकता और परंपरा के समागम हैं। जो योग के लिए समर्पित हैं और भारतीय नागरिकों से ट्विटर के जरिए जुड़ते है व डिजिटल इंडिया का सपना देखते हैं।

श्री ओबामा ने यह लिखा कि जब वे वॉशिंगटन आए तो नरेंद्र और मैं डॉक्टर मार्टिन लूथर किंग जूनियर के स्मारक पर गए थे। हमने गांधी और किंग की शिक्षाओं को याद किया कि कैसे हमारे देश में पृष्ठभूमि और आस्था की विविधता एक ताकत है जिसकी हमें रक्षा करनी है। भारत में एक अरब से भी ज्यादा भारतीय साथ-साथ रह रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं, ये पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल हो सकता है। ■

प्रधानमंत्री ने डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की जंयती पर उन्हें नमन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को उनकी जंयती पर नमन किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की जंयती पर उन्हें नमन करता हूं। जय भीम।

उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर एक युग पुरुष हैं, जो करोड़ों भारतीयों के दिल और दिमाग में वास करते हैं। सामाजिक न्याय के प्रति उनका बेजोड़ संकल्प और दृढ़ प्रतिबद्धता उनके जीवन की विशेषता रही है। उन्होंने प्रसिद्ध अधिवक्ता, शिक्षाविद, लेखक और बुद्धिजीवी के रूप में ख्याति अर्जित की और हमेशा अपने दिल की बात कही। श्री मोदी ने कहा कि हमारे देश के संविधान के निर्माण में डॉक्टर अम्बेडकर के योगदान को कोई नहीं भुला सकता। उन्होंने अथक और निस्वार्थ रूप से देश और जनता की सेवा की है। आइए, हम भारत को डॉ. अम्बेडकर के सपनों का देश बनाने के लिए अपने आपको समर्पित करने की सौगंध लें जिस पर उन्हें गर्व हो। 'मैं डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें नमन करता हूं। जय भीम। ■

विकास समिति की पूर्ण बैठक

वैश्विक विकास हेतु बहुपक्षीय विकास बैंकों की पूंजी बढ़ानी होगी : जेटली

गत 19 अप्रैल को वाशिंगटन में 'अरब से खरब -2015 के पश्चात विकास वित्त में बदलाव, विकास के लिए वित्त पोषण' विषय पर आयोजित परिचर्चा में भारत के वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब भी एक अरब से अधिक लोग अति गरीबी में जीवन जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि हमें इसे दूर करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों की पूंजी बढ़ाकर अपना योगदान करना होगा। हम यहां श्री जेटली के भाषण का संपादित अंश प्रस्तुत कर रहे हैं:-

श्रीमान अध्यक्ष महोदय,

विश्वभर में पुनर्निमाण और विकास के लिए वित्तपोषण करना बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) के अस्तित्व का मुख्य कारण है। ''अरब से खरब'' दस्तावेज सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की राह में चुनौतियों को भली-भांति रेखांकित करता है। विश्व ने अति गरीबी उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है लेकिन लोगों को सस्ती स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, कौशल विकास, सबके विकास और संवृद्धि के समान अवसर सुनिश्चित करना खासकर महिलाओं और सीमांत वर्गों के लिए और सबके लिए पारश्रमिक मुहैया कराने वाली नौकरियों का सृजन करने जैसी चुनौतियां अब भी बरकरार हैं।

भारत को यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि सभी राष्ट्रों की प्राथमिक जिम्मेदारी उनके लोगों का विकास है। संवृद्धि और विकास के लिए पहला और सबसे महत्वपूर्ण साधन सार्वजनिक और निजी स्रोतों से उपलब्ध घरेलू संसाधनों का आवंटन है। हालांकि घरेलू संसाधन ढांचागत सुविधाओं की कमी को पूरा करने, लोगों के लिए जरूरी वस्तुओं और सेवाओं के सृजन, सामाजिक सुरक्षा तंत्र बनाने और समावेशी विकास का लक्ष्य हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। संसाधनों में कमी को अंतरराष्ट्रीय स्तर से पूरा करना होगा। बहुपक्षीय विकास बैंकों के समक्ष यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही उनके पास यह संसाधनों के निवेश के लिए बहुत बड़ा अवसर भी है।

इस दस्तावेज में एक रणनीति बताई गई है जिसमें बहुपक्षीय विकास बैंकों के संसाधनों का इस्तेमाल कर अधिकाधिक सार्वजनिक और निजी वित्त जुटाने पर जोर दिया गया है। इसमें तकनीकी सहायता तथा नीतिगत परामर्श भी शामिल है। हालांकि इस दस्तावेज में विकासशील देशों के लिए वित्तीय संसाधनों के संबंध में बेहद कम आश्वासन दिया गया है। इस संबंध में उच्च स्तरीय महत्वाकांक्षा प्रकट करनी चाहिए। वित्तीय परिदृष्य जहां अरब से खरब की ओर बढ़ रहा है वहीं एमडीबी अब भी संतुलन के निम्नतर स्तर पर उलझे हैं।

विश्व बैंक समूह की बाजार में रेटिंग एएए है और इसकी बदौलत यह है बेहद प्रतिस्पर्धी दरों पर धन जुटाने में सक्षम है। विश्व ने आज एमबीडी को बड़ी मात्रा में दीर्घकालिक धन निम्न ब्याज दर पर जुटाने का अवसर दिया है। आइबीआरडी आज संसाधन मुहैया कराने को उसकी बैलेंस शीट को कई गुना बढ़ा सकता है।

ऐसा करने के लिए आइबीआरडी और आइएफसी सहित सभी एमडीबी को अतिरिक्त पूंजी भी जुटानी होगी। हम सभी गवर्नरों को पूंजी बढ़ाकर अतिरिक्त उधारी क्षमता सृजित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही भारी मात्रा में उपलब्ध सस्ती दर पर मिलने वाले दीर्घकालिक सस्ते संसाधनों से नए तरीके से उधार लेने को भी प्रोत्साहित करना चाहिए।

निष्कर्षत: मैं यह रेखांकित करना चाहता हूं कि कई दशक के विकास कार्य के बावजूद भी अब भी एक अरब से ➡

डॉ. अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम

''डॉ. अम्बेडकर केवल दलित समाज नहीं अपितु सर्वसमाज के नेता''

भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दुष्यंत कुमार गौतम की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भाजपा केन्द्रीय कार्यालय में बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या (13 अप्रैल) पर एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में डॉ. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

बैठक को सम्बोधित करते हुये भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर जी की 125वीं वर्षगांठ पर भाजपा पूरे वर्ष देशभर में स्थानीय स्तर तक कार्यक्रम आयोजित करके डॉ.अम्बेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुचाया जायेगा।

उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर केवल दलित समाज के ही नहीं अपितु सर्वसमाज सर्वधर्म के नेता थे। उनके विचारों और नीतियों से भारत के प्रत्येक नागरिक को प्रेरणा लेनी चाहिये।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छता अभियान को ध्यान को रखते हुये एक स्वच्छता अभियान कमेटी बनाई है, जिसमें सभी सदस्य दलितों के अलावा सर्वसमाज के होगे। उन्होंने समाज से मल उठाने का घृणित कार्य तुरन्त समाप्त करने पर जोर दिया। भाजपा राष्ट्रीय

महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने कहा की भाजपा डॉ. अम्बेडकर जी की 125वीं वर्षगांठ पर पूरे देश में समरसता के कार्यक्रम चलायेगी। सभी कार्यकर्ताओं को समाज से जुड़े किसी ना किसी एक कार्यक्रम में लगना चाहिये जिससे सम्पूर्ण समाज उन्नति करें। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर से जुड़े 4 स्थानों पर महु,नागपुर, मुम्बई चैत्यभूमि, दिल्ली परिनिर्वाण स्थल भाजपा शासित सरकारों ने ही विकास किया अन्य तीन स्थानों जैसे 15 जनपथ नई दिल्ली, लन्दन स्थित घर मुम्बई इन्दुमिल पर भी दलितों की भावना को ध्यान में रखते हुये कार्य किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री थावरचन्द गहलोत ने सामाजिक न्याय अधिकारिता द्वारा जनता की भलाई से सम्बंधित योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की।

अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दुष्यंत कुमार गौतम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।■

अधिक लोग अति गरीबी में जीवन जीने को मजबूर हैं, तीन में से एक व्यक्ति के पास स्वच्छ टॉयलेट की सुविधा नहीं है, एक अरब लोग अब भी बिजली की सुविधा से वंचित हैं, 2.9 अरब लोगों के पास स्वच्छ कुकिंग फ्यूल नहीं है। अब भी हमारे समक्ष विकास की चुनौतियां हैं। हमें चुनौतियों का सामना करना होगा और जो कुछ भी करने की जरूरत है, वह सब करना होगा। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए हमें बहुपक्षीय विकास बैंकों की पूंजी बढ़ाकर और विकास के लिए कई गुना अधिक धन मुहैया कराकर अपना योगदान करना होगा।■

भाजपा सांसदों की कार्यशाला

गरीबों के लिए समर्पित है राजग सरकार : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार पूरी तरह गरीबों की सेवा करने और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

विषय पर 19 अप्रैल को आयोजित भाजपा सांसदों की एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भूमि अधिग्रहण कानून सहित सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में झूठ फैला रहे "विकृत मानसिकता" रखने वाले लोगों पर प्रहार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के निर्णय राजनीति से नहीं बल्कि राष्ट्र नीति से निर्देशित हैं। प्रधानमंत्री ने सांसदों से सीधे गरीब से जुड़ने और सरकार की विभिन्न योजनाओं के फायदों के बारे में उन्हें बताने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सबको आवास, गरीबों को स्कूल और अस्पताल मुहैया कराने के लिए समर्पित है।

प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और महंगाई पर अंकुश लगाने सहित सरकार की ओर से की गई विभिन्न पहल और सफल कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने हाल में बेमौसम बारिश के चलते प्रभावित किसानों की पीड़ा को दूर करने को सरकार की ओर उठाए गए कदमों का जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने इनपुट सब्सिडी में 50 प्रतिशत वृद्धि की है। इसके अलावा मुआवजे के मानक में भी बदलाव किया है ताकि उन किसानों को भी लाभ मिल सके जिनकी 33 प्रतिशत फसल को नुकसान हुआ है। इससे पहले सिर्फ उन्हीं किसानों को यह लाभ मिलता था जिनकी 50 प्रतिशत फसल को नुकसान हुआ हो। उन्होंने कहा कि खरीद नियमों को भी उदार बनाया गया है ताकि मौसम की मार के चलते प्रभावित फसल की खरीद भी हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस तरह के जो फैसले गरीबों के लिए किए हैं उनकी अधिक चर्चा नहीं हो रही है।

प्रधानमंत्री कई अन्य योजनाओं की जानकारी भी दी जो उनकी सरकार ने गरीबों की भलाई के लिए शुरु की हैं। इन योजनाओं में प्रधानमंत्री जन धन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और सबके लिए शौचालय शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सांसदों को यह देखना चाहिए कि उनके क्षेत्र में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है और उनका लाभ गरीबों तक पहुंच रहा है।

श्री नरेन्द्र मोदी ने यमन से भारतीय नागरिकों को निकालने में विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज तथा विदेश राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने हाल में उनकी फ्रांस, जर्मनी और कनाडा यात्रा खासकर परमाणु रिएक्टर विनिर्माण के लिए एलएंडटी तथा अरेवा के बीच समझौते और कनाडा के साथ यूरेनियम आपूर्ति सौदे के बारे में जानकारी भी दी। ■